वर्ष : 33 ▸ अंक : 133 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 29 जुलाई 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

10 राज्य-1UT में 6 नए राज्यपाल

3 का तबादला : हरिभाऊ बागड़े राजस्थान, रामेन डेका छत्तीसगढ़, संतोष गंगवार को झारखंड का जिम्मा; ओम माथुर सिक्किम गवर्नर

एजेंसी । नई दिल्ली

मोदी 3.0 में पहली बार 10 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश के राज्यपाल और प्रशासक बदले गए हैं। राष्ट्रपति भवन ने शनिवार देर रात 6 नए राज्यपाल और 3 के ट्रांसफर का आदेश जारी किया। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का गवर्नर बनाया गया है। असम के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया पंजाब के राज्यपाल के अलावा चंडीगढ़ के प्रशासक का जिम्मा संभालेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर रहे हरिभाऊ बागडे.राजस्थान, पूर्व केंद्रीय मंत्री और 8 बार के सांसद रहे संतोष गंगवार झारखंड, असम से पूर्व सांसद रमन डेका छत्तीसगढ़ के गवर्नर बनाए गए हैं। कलराज मिश्र (राजस्थान), बिस्वभूषण हरिचंदन (छत्तीसगढ़), रमेश बैस (महाराष्ट्र), बनवारीलाल पुरोहित (पंजाब-चंडीगढ़), अनुसुइया उइके (मणिपुर) और फागू चौहान (मेघालय) को हटाया गया है। तीन राज्यपाल- सीपी राधाकृष्णन (झारखंड से महाराष्ट्र), गुलाब चंद कटारिया (असम से पंजाब-चंडीगढ़), लक्ष्मण आचार्य (सिक्किम से असम,मणिपुर) को दूसरे राज्य भेजकर रिपीट किया गया है।

1. हरिभाऊ किसनराव बागड़े, राजस्थान

हरिभाऊ किसनराव बागड़े का जन्म 17 अगस्त 1945 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एक मराठा परिवार में हुआ था। वह महज 10वीं तक पढ़े हैं। 13 साल की उम्र में RSS में शामिल हो गए थे। 1985 में पहली बार औरंगाबाद पूर्व सीट से विधायक चुने गए। कैबिनेट मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

2. संतोष गंगवार, झारखंड

संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल बनाए गए हैं। 8 बार सांसद रह चुके गंगवार भाजपा में लंबे समय तक सक्रिय रहे। वे मोदी और वाजपेयी सरकार में मंत्री रह चुके हैं। यूपी के बरेली से 1989 से लगातार चुनाव जीता। 2009 में हारे, लेकिन 2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की।

3. गुलाब चंद कटारिया, पंजाब और चंडीगढ़

1977 में राजस्थान के उदयपुर शहर सीट से पहली बार विधायक चुने गए थे। साल 1998 में उदयपुर छोड़कर बड़ी सादड़ी से चुनाव जीता था। राजस्थान में शिक्षा मंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सहित दो बार गृहमंत्री रहे हैं। 2023 में असम के 31वें राज्यपाल बनाए गए थे।

4. रामेन डेका, छत्तीसगढ़

रामेन डेका असम के रहने वाले हैं। इनका जन्म 1 मार्च 1954 को असम के कामरूप जिले के सुआलकुची में हुआ था। वे असम की मंगलदोई लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर दो बार सांसद रह चुके हैं। वह BJP के संस्थापक सदस्यों में भी हैं। असम बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं।

5. सीपी राधाकृष्णन, महाराष्ट्र

सीपी राधाकृष्णन दो बार तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए। तमिल नाडु में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में जीते थे। उन्हें बीजेपी ने 2014 और 2019 के चुनाव में भी उम्मीदवार बनाया, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 18 फरवरी 2023 को झारखंड के राज्यपाल बने।

6. जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना

जिष्णु देव वर्मा किसी भी राज्य के राज्यपाल बनने वाले त्रिपुरा के पहले राजनेता हैं। त्रिपुरा में भाजपा की पहली बार सरकार बनने के बाद 2018 से 2023 तक भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में डिप्टी CM रहे। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में वह सिपाहीजला जिले के चारिलम (एसटी) सीट से टीआईपीआरए मोथा से हार गए थे।

7. ओम प्रकाश माथुर, सिक्किम

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। भाजपा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और महामंत्री भी रहे। साल 2008 से 2009 तक राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाली। इसके साथ ही गुजरात, छत्तीसगढ़ समेत 9 राज्यों में बीजेपी के प्रभारी भी रहे चुके हैं।

8. लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम और मणिपुर

लक्ष्मण प्रसाद की BJP में अच्छी पैठ है। उत्तर प्रदेश में राज्य मंत्री रहे। प्रदेश के मिर्जापुर से ताल्लुक रखने वाले लक्ष्मण प्रसाद आचार्य खरवार जनजाति से हैं। 1977 तक संघ के सरस्वती शिशु मंदिर में बतौर शिक्षक जुड़े रहे। राम मंदिर आंदोलन में शामिल हुए।

9. सीएच विजयशंकर, मेघालय

कर्नाटक के रानीबेन्नूर के रहने वाले विजय शंकर पहली बार 1994 से 1998 तक हुनसूर से विधायक बने थे। 1998 और 2004 में मैसूर से सांसद रहे। 2010 से वह रेगे की 16वीं विधानसभा के विधायक और कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री भी रहे।

10 राज्य-1UT में 6 नए राज्यपाल, 3 का तबादला

महाराष्ट्र-झारखंड में इसी साल होंगे विधानसभा चुनाव

जिन राज्यों में राज्यपाल बदले गए हैं उनमें से 2 महाराष्ट्र-झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनके अलावा हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं। जम्मू कश्मीर के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर से पहले चुनाव करवाने का निर्देश दिया है।

मनु भाकर ने पेरिस में रचा इतिहास

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दी बधाई

एजेंसी । नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी। भारत के राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाली मनु भाकर को हार्दिक बधाई। वह निशानेबाजी प्रतियोगिता में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। भारत को मनु भाकर पर गर्व है। उनकी उपलब्धि कई खिलाड़ियों, विशेषकर महिलाओं को प्रेरित करेगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, एक ऐतिहासिक पदक! Paris Olympics 2024 में भारत के लिए पहला पदक जीतने पर मनु भाकर को बधाई। कांस्य पदक के लिए बधाई। यह सफलता और भी खास है क्योंकि वह भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं।

पहला ओलंपिक पदक

मनु भाकर ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 221.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय निशानेबाज जब बाहर हुईं तो दक्षिण कोरिया की येजी किम से सिर्फ 0.1 अंक पीछे थीं जिन्होंने अंततः 241.3 अंक के साथ रजत पदक जीता। किम की हमवतन ये जिन ओह ने 243.2 अंक के फाइनल के ओलंपिक रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद भारत का निशानेबाजी में यह पहला ओलंपिक पदक है। रियो ओलंपिक 2016 और तोक्यो ओलंपिक से भारतीय निशानेबाज खाली हाथ लौटे थे।

अमित शाह ने भी दी बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मनु भाकर को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया और लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतकर पहला पदक जीतने पर मनु भाकर को बधाई। आपने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश में उत्साह की लहर दौड़ा दी है। आपकी उपलब्धि पर पूरा देश गर्व से भर गया है।

निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने भी बधाई दी

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज और पूर्व एथलीट अभिनव बिंद्रा ने ट्वीट किया, पेरिस 2024 में एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मनु भाकर को हार्दिक बधाई! आपकी अथक लगन, कड़ी मेहनत और जुनून ने वास्तव में फल दिया है। आपके कौशल और दृढ़ संकल्प को देखना अविश्वसनीय है, जो प्रत्येक शॉट के साथ भारत को गौरवान्वित करता है। यह उपलब्धि आपकी दृढ़ता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। चमकते रहो, मनु!

मनु के प्रदर्शन पर क्या बोले माता और पिता

मनु भाकर की मां सुमेधा भाकर ने कहा, मैं हमेशा चाहती थी कि मेरी बेटी खुश रहे। ओलंपिक पदक भाकर के पिता राम किशन भाकर ने कहा, उसकी दो स्पर्धाएं बाकी हैं, हमें उम्मीद है कि वह उनमें स्वर्ण जीतेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्रियों की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य मंत्रियों ने लगातार दूसरे दिन BJP शासित राज्य के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ रविवार को विशेष रूप से विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में जारी विभिन्न विकास योजनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जे पी नड्डा ने भी बैठक में हिस्सा लिया। मोदी ने अपनी भाषण में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा शासित राज्यों में जारी कल्याणकारी योजनाओं की कवरेज सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि इसे सुशासन के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक उन्होंने बताया कि समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर गरीबों की मदद के लिए BJP शासित राज्यों की सरकारों के प्रयासों से वहां के लोगों को काफी लाभ मुहैया कराया गया है।

करोलबाग से हटाए जाने के बाद कोचिंग सेंटर के पास प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में शनिवार को भारी बारिश के बाद राव आईएएस कोचिंग सेंटर वाली एक इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे 3 यूपीएससी स्टूडेंट्स की मौत हो गई। मरने वालों में 1 छात्र और 2 छात्राएं हैं। तीनों मृतकों की पहचान कर ली गई है। इस दर्दनाक घटना से गुस्साए छात्रों ने यूपीएससी स्टूडेंट्स की मौत पर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए। इस मामले में दिल्ली की राजस्व मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को घटना की जांच शुरू करने और 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। आतिशी ने एक्स पर पोस्ट किया, यह पता लगाने के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं कि यह घटना कैसे हुई। इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे के मामले में कोचिंग सेंटर मालिक और कोऑर्डिनेटर को गिरफ्तार किया। ▸ पेज 8 भी देखें

महाराष्ट्र के 11 नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्यों ने ली शपथ

भावना गवली ने लगाया जय महाराष्ट्र, जय एकनाथ का नारा

धीरज सिंह । मुंबई

12 जुलाई को महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव हुए थे। जिसमें 11 विधायक निर्वाचित हुए थे। रविवार को सभी 11 नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इन सभी विधायकों ने विधान परिषद में शपथ ली। विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने पांच और शिवसेना और राकांपा ने दो-दो सीट पर जीत दर्ज की थी। वहीं शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। रविवार को विधान भवन में जिन नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने शपथ ली, उनमें भाजपा की पंकजा मुंडे, परिणय फुके, योगेश तिलेकर, अमित गोरखे और सदाभाऊ खोत, राकांपा के राजेश विटेकर व शिवाजीराव गरजे, शिवसेना की भावना गवली व कृपाल तुमाने, कांग्रेस की प्रज्ञा सातव और शिवसेना (यूबीटी) के मिलिंद नार्वेकर शामिल हैं।

भावना गवली ने क्यों लिया एकनाथ शिंदे का नाम?

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शपथ लेने के बाद भावना गवली ने जय महाराष्ट्र, जय एकनाथ कहा। भावना गवली ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि "हम उन्हें नाथों के नाथ के रूप में याद करते हैं। उनके आशीर्वाद से ही मैं आज सदन में पहुंची हूं। कई सामाजिक कार्य और राजनीति करने के बाद मैं एक बार फिर सदन में लौटी हूं। यह पहली बार है कि मुझे दिल्ली से मुंबई आने का मौका मिल रहा है।"

पांच बार रह चुकी सांसद

शिवसेना शिंदे गुट की पांच बार सांसद रह चुकी भावना गवली यवतमाल वाशिम लोकसभा क्षेत्र से भी उम्मीदवार थीं। शिवसेना के विभाजन के बाद उन्होंने एकनाथ शिंदे का समर्थन किया था। इसलिए जब इस बार उन्हें टिकट मिलने की चर्चा हुई तो भाजपा ने उनके नाम का विरोध किया। इसलिए उनका टिकट काटकर हेमंत पाटल की पत्नी राजश्री पाटिल को दे दिया गया। इस जगह भी महायुति के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा है। लेकिन भावना गवली को विधान परिषद में मनोनीत किया गया। वे विधायक भी चुनी गई हैं, रविवार को उनका शपथ ग्रहण हुआ और इस बार उन्होंने पार्टी के नेताओं को अवसर देने का नाम भी बताया। बता दें कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने 12 जुलाई को हुए विधान परिषद चुनावों में 11 में से नौ सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और उन सभी ने जीत दर्ज की थी

चांदीपुरा, निपाह और जीका वायरस की चपेट में देश

नई दिल्ली। देश में मानसून ने तबाही मचाई है। अलग-अलग राज्यों में लगातार बारिश के कारण लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी मानसूनी मौसम में कई तरह के वायरस भी फैल रहे हैं। जिससे की लोगों के स्वास्थ पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। गुजरात में चांदीपुरा, केरल में निपाह तो महाराष्ट्र में जीका वायरस का आतंक है। अब इनसे निपतटने के लिए केंद्र सरकार ने क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया है। तीनों राज्यों की स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने मिलकर विशेषज्ञों की टीम का गठन किया है, जो की लोगों की मदद के लिए मैदान में उतरेंगे। केंद्रीय स्वास्थय मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक केरल के अलग-अलग जिलों में जांच अभियान चलाया गया है। जिसमें अभी तक निपाह के पूरे राज्य में फैलने की पुष्टि नहीं की गई है।

मनोज जरांगे का शिंदे सरकार को अल्टीमेटम

लड़ेंगे या गिराएंगे निर्णय सोमवार को लेंगे

अमित बृज । मुंबई/जालना

मराठा आरक्षण के मामले में सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने के कारण मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल काफी आक्रोशित हैं। वह अब मराठा समुदाय के नेताओं और संगठनों से बातचीत कर आगे की दिशा तय करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि यदि सरकार हमारे साथ अन्याय करने वाली है, यदि वह मराठों को चारों तरफ से घेरने की कोशिश कर रही है और उसने आरक्षण नहीं देने का निर्णय ले लिया है, तो हमें फैसला लेना होगा। जिस क्षेत्र में हम जाना नहीं चाहते हैं, हम पर वहां जाने की नौबत सत्ता व विपक्ष में बैठे लोगों के कारण आ गई है। मुझे मेरे समाज का हित देखना है। सोमवार को निर्णय लिया जाएगा।

जानबूझकर मराठों के साथ कर रहे अन्याय

मनोज जरांगे ने कहा कि ये समझना जरूरी है कि लोगों में आक्रोश, गुस्से की लहर इतनी तेज क्यों है। मराठा कुनबी एक ही है, आप जानबूझकर मराठों के साथ अन्याय कर रहे हैं। सारथी की कौन सी सहूलियतें हमें मिलती हैं? ऐसा कहते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को पता होना चाहिए कि मराठों को ओबीसी से आरक्षण देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

'लोकसभा से पांच गुना ज्यादा देंगे झटका'

जरांगे पाटिल ने कहा कि मराठों के आरक्षण का संतोषजनक समाधान निकाला जाना चाहिए, लेकिन यदि आप इससे बहुत ज्यादा बचने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अलग दिशा में जाएंगे। मेरे लिए शरद पवार क्या कहते हैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि मेरा दिल और मेरे विचार क्या कहते हैं। सरकार में मराठों की दी हुई सत्ता से गर्व उत्पन्न हो गया है। लेकिन घमंड कभी भी बहुत ज्यादा दिनों तक नहीं टिकता है, एक-न-एक दिन टूटता ही है। लोकसभा में जो हुआ, उससे 5 गुना ज्यादा विधानसभा में होगा।'

भारतीयों के लिए मुश्किल खड़ी

ढाई लाख युवाओं को देश से बाहर कर सकता है अमेरिका

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका में रह रहे युवाओं पर तलवार लटक रही है। ऐसे में सबसे बड़ी मुश्किल भारतीयों के लिए है क्योंकि अमेरिका में सबसे ज्यादा रहने वाले भारततवंशी हैं। ढाई लाख युवाओं को अमेरिका देश से निकाल सकता है। इनमें से सबसे ज्यादा भारतवंशी हैं जो अपने माता-पिता के साथ बचपन में अमेरिका आए थे। 21 साल की उम्र पूरी हो जाने के कारण उन पर अमेरिका से उस देश में भेजे जाने का खतरा मंडरा रहा है जहां वे किसी को जानते तक नहीं हैं। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस गतिरोध के लिए रिपब्लिकन को दोषी ठहराया है। दरअसल, पिछले महीने, आव्रजन, नागरिकता और सीमा सुरक्षा पर सीनेट उपसमिति के अध्यक्ष सीनेटर एलेक्स पैडीला और प्रतिनिधि डेबोरा रास के लीडरशिप में 43 सांसदों के दो दलीय समूह ने बाइडन प्रशासन से ढाई लाख से ज्यादा डाक्यूमेंटेड ड्रीमर्स की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग किया था। फिलहाल, इसे लेकर अभी तक कोई कदम नहीं उठाया जा सका है।

क्या है अमेरिका का रूल?

दरअसल, होता ये है कि अमेरिका में बच्चे सिर्फ 21 साल तक माता-पिता पर डिपेंड रह सकते हैं। 21 साल की उम्र पूरा होने के बाद बच्चों को उनके पैरेंट्स के वीजा पर अमेरिका में रहने की इजाजत नहीं है। कई भारतीय अपने बच्चों के साथ अमेरिका में जाकर बस गए हैं। ऐसे में अगर उनके बच्चों का वीजा नहीं बना है तो जब उनके बच्चे 21 साल की उम्र के हो जाएंगे तो पैरेंट्स को अपने बच्चों को भारत वापस भेजना होगा।

डाक्यूमेंटेड ड्रीमर्स क्या है?

अपने माता-पिता के वीजा पर अमेरिका में रहने वाले बच्चों को डाक्यूमेंटेड ड्रीमर्स कहा जाता है। डाक्यूमेंटेड ड्रीमर्स के 21 साल के होते ही अगर इनके पास अपना वीजा नहीं है तो उन्हें देश से निकाल दिया जाता है। 13 जून को बाइडन प्रशासन को लिखे पत्र में सीनेट उपसमिति के अध्यक्ष सीनेटर एलेक्स पैडीला कहा कि ग्रीन-कार्ड के लंबे बैकलाग के कारण, अप्रवासी परिवारों को हमेशा स्थायी निवासी का दर्जा पाने के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता है। ये युवा अमेरिका में पले-बढ़े हैं, अमेरिकी स्कूल में शिक्षा पूरी की है।

राजस्थान की बेटी चार लोगों को देंगी एक नई जिंदगी

एजेंसी । जयपुर

प्रदेश के बाड़मेर जिले में हुए सड़क हादसे में ब्रेन डेड होने के बाद परिवारजनों की सहमति से अंगदान किया गया। इससे 4 अन्य को जीवनदान मिल सकेगा। बता दें कि सड़क हादसे में डंपर की टक्कर से अनीता (24) गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिन्हें इलाज के लिए जोधपुर के एम्स अस्पताल रेफर किया गया। यहां डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि अनीता का ब्रेन डेड हो चुका है। वहीं अन्य ऑर्गन काम कर रहे हैं। इसके बाद परिजनों की सहमति के बाद अनीता के अंगदान करने का फैसला किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि दो किडनी, एक हार्ट और एक लीवर अब अन्य मरीजों को लगाया जा सकेगा। इसके लिए रविवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर हवाई मार्ग से अनीता की किडनी और हार्ट जयपुर एसएमएस अस्पताल भेजा गया। वहीं एक किडनी और लीवर एम्स में भर्ती मरीजों को लगाया जाएगा। ऐसे में अनीता ने मरने के बाद भी 4 लोगों को नई जिंदगी दे दी है। वहीं अनीता के एक मासूम बच्चे का अभी एम्स के आईसीयू में इलाज चल रहा है।

दो बजे दोपहर

खानदेश एक्सप्रेस में चोरों का आतंक

एक ही दिन में 15 यात्रियों के बैग और मोबाइल चोरी

दोपहर संवाददाता | जलगांव

नई-नई शुरू हुई खानदेश एक्सप्रेस को चोरों ने अपने का अड्डा बना लिया है। इस एक्सप्रेस में कई यात्रियों के बैग और कीमती सामान चोरी हो रहे हैं। इससे रेलवे की ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है। इस मामले में नवापुर और नंदुरबार लोहमार्ग थाने में केस दर्ज किया गया है। लोहमार्ग पुलिस सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मुंबई से गुजरात के लिए अमलनेर आ रही खानदेश एक्सप्रेस (रेलवे नंबर 09051) के थ्री-टियर वातानुकूलित कोच से 15 यात्रियों के बैग चोरी हो गए। इसमें अमलनेर के भी कुछ यात्री शामिल हैं।

वातानुकूलित डिब्बे से बैग चले जाने से इस ट्रेन में सुरक्षा को लेकर सवाल उठ खडे हुए हैं। यह ट्रेन 27 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे दादर स्टेशन से रवाना हुई। गुजरात के बेस्तान स्टेशन पर पहुंचने के बाद लोगों के बैग खो गए। इसमें अमलनेर के सीए नीरज अग्रवाल समेत अन्य यात्रियों के बैग भी लूट लिए गए हैं। नीरज अग्रवाल का बैग समेत उनका मोबाइल फोन भी चोरी हो गया है।

ट्रेन में नहीं है आरपीएफ

नवसारी से बारडोली के बीच इस ट्रेन में आरपीएफ की व्यवस्था नहीं है। पिछले 15 दिनों में 6 बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। नीरज अग्रवाल ने रेलवे में शिकायत दर्ज कराई है और मांग की है कि रेलवे पुलिस चोरों से तुरंत निपटे। उन्होंने यात्रियों से इस ट्रेन में यात्रा करते समय अपने सामान का ध्यान रखने की भी अपील की है।

अमलनेर में केवल एक मामला दर्ज

उपनिरीक्षक, लोहमार्ग पुलिस विजय गुजर ने कहा कि अमलनेर लोहमार्ग थाने में केवल एक मामला दर्ज है। बाकी मामले नवापुर और नंदुरबार पुलिस स्टेशनों में दर्ज हैं। इसकी जांच की जा रही है। जल्द ही चोरों का पता लगाया जाएगा और ट्रेन में भी ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए संबंधित विभाग को अवगत कराया जाएगा और व्यवस्था की जाएगी।

चोर उठाते है फायदा

बताया जा रहा है कि इस ट्रेन में आरपीएफ की सुविधा नहीं होने का फायदा चोर उठा रहे है। पुलिस नहीं होने के कारण चोरों के हौंसले बुलंद है। नवसारी से बारडोली के बीच इस ट्रेन में आरपीएफ के जवान नहीं रहते है इसका फायदा उठाकर चोर इसी रास्ते के बीच चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है।

हम सत्ता के भूखे नहीं हैं, हमें लोगों का काम करने के लिए सत्ता चाहिए: राजू पाटिल

निर्भय जर्नलिस्ट फाउंडेशन के टॉक शो में विधायक पाटिल ने अपनी भूमिका स्पष्ट की

दोपहर संवाददाता | डोंबिवली

राजनीति में एक सच्चाई है कि अगर आप सत्ता में नहीं हैं तो विधायक बने रहना कोई मायने नहीं रखता, इसलिए भले ही राज ठाकरे ने 'मैं आपको सत्ता में बिठाना चाहता हूं' बयान दिया है, हम सत्ता के भूखे नहीं हैं और मनसे नेता विधायक राजू पाटिल ने पार्टी का पक्ष इन शब्दों में रखा कि हम उन लोगों में से नहीं हैं जो सत्ता के लिए किसी के पीछे नही जाते हैं, बल्कि हम लोगों का काम करने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। वह कल्याण डोंबिवली में निर्भय जर्नलिस्ट फाउंडेशन के एक टॉक शो में बोल रहे थे। इस अवसर पर विधायक पाटिल ने आगामी विधानसभा चुनाव, मनसे की भूमिका, मराठा आरक्षण, शिवसेना-भाजपा-एनसीपी गठबंधन, निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों आदि पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

कल्याण-शील सड़क पर यातायात की भीड़ और पानी कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में दो सबसे बड़े मुद्दे हैं। कल्याण शील रोड का काम एमएसआरडीसी द्वारा किया जा रहा है, मेट्रो का काम एमएमआरडीए द्वारा किया जा रहा है। अगर मेट्रो का काम शुरू ही होने वाला था तो 30-40 करोड़ खर्च कर डिवाइडर और लाइट पोल क्यों लगाए ? क्या यह पैसा किसी के बाप का है ? पानी में डूब रहे स्मार्ट सिटी पार्क के लिए 100 करोड़ रुपए खर्च करने के बजाय इस फंड को यहां के तालाबों के संरक्षण पर क्यों नहीं खर्च किया जाए? विधायक पाटिल ने इस तरह के गुस्से भरे सवाल उठाते हुए आलोचना की कि उन्होंने योजना की कमी के कारण जल्दबाजी में काम किया है। साथ ही विधायक पाटिल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनमें दूरदर्शिता नहीं है बल्कि हम बचेंगे या नहीं, आएंगे या नहीं, इस डर के कारण ऐसा हो रहा है।

शिवसेना के सत्ता में आने से पहले की मुंबई और उसके बाद की मुंबई में बहुत बड़ा अंतर है। मुंबई व्यस्त रहती थी। सत्तारूढ़ शिवसेना 40 लाख मुफ्त घरों की योजना लेकर आई। इस योजना का उद्देश्य बहुत अच्छा था, लेकिन उस समय मानसिकता यह थी कि मुंबई जाओ, फुटपाथ पर झोपड़ी बनाओ और मुफ्त में घर मिलेगा। इस गलत नीति के कारण यह सब हुआ है और इसमें मुंबई मनपा में शिवसेना का भी योगदान है।

लोकसभा चुनाव में राजठाकरे ने जो आदेश दिया था, उसके अनुसार हमने ईमानदारी से डॉ. श्रीकांत शिंदे की जीत के लिए काम किया है। ऐसे में हम यह नहीं कह सकते कि आगामी विधानसभा चुनाव में वे हमारी मदद करेंगे या नहीं। लेकिन एक बात तय है कि अगर वे हमारे सामने खड़े होते हैं और लोग हमें चुनते हैं, तो उन्हें दोगुनी खुशी होगी। विधायक पाटिल ने इस समय जवाब देते हुए कहा कि इस पर नहीं कि उनकी राजनीति कैसे चलती है, बल्कि हम अपने भरोसे पर चुनाव लड़ेंगे और अगर वह अच्छाई दिखाते हैं तो उनका स्वागत है।

2014 में जब वे जिला अध्यक्ष थे तो उन्होंने कल्याण लोकसभा चुनाव लड़ा था। अन्य पार्टियां उस निर्वाचन क्षेत्र को लेकर चुनाव लड़ चुकी हैं। तो कल्याण डोंबिवली के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों के लोग कैसे हैं? उनकी जरूरतें क्या हैं? हमने अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में इसका अधिक अध्ययन किया है। ' इसलिए विधायक पाटिल ने यह भी विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव लड़ते समय उन्हें आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान देने में कोई परेशानी नहीं होगी।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे के आदेश के अनुसार हमने महायुति के उम्मीदवारों को समर्थन देकर काम किया है। कल्याण डोंबिवली में मनसे की संगठनात्मक ताकत अच्छी है और हम उस संबंध में और कदम उठाने जा रहे हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की स्थापना के बाद से हम अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। विधायक राजू पाटिल ने राय व्यक्त करते हुए कहा कि राज साहब द्वारा आत्मनिर्भरता का रुख प्रस्तुत करने के बाद अब हर दूसरी पार्टी भी आत्मनिर्भरता की भाषा बोलने लगी है।

लिफ्ट गिरी, एक ढाई साल का बालक बचा

वरिष्ठ नागरिक गंभीर रूप से घायल

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

'जाको राखे साईयां मार सके न कोई' कहावत उल्हासनगर में चरितार्थ हो गई। बता दें कि एक इमारत की पांचवी मंजिल से नीचे उतरते हुए एक लिफ्ट अचानक गिर गई। इसी दौरान लिफ्ट में सवार एक वरिष्ठ नागरिक अपने ढ़ाई साल के पोते को पकड़ते हुए गंभीर रूप से घायल हो गया, पर बच्चे को खरोच तक नहीं आई। वहीं उसके दादा को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर कैंप नंबर 4 के सत्यजीवन बिल्डिंग में रहने वाले अपने भाई से मिलने सरदार पिंजारी नामक व्यक्ति अपने ढाई साल के पोते के साथ गए थे। अपने भाई से मिलने के बाद पिंजारी बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल से लिफ्ट में बैठकर नीचे आ रहे थे, तभी लिफ्ट में अचानक खराबी आ गई और लिफ्ट पांचवीं मंजिल से सीधे निचली मंजिल पर जा गिरी। भारी लिफ्ट के जमीन से टकराने की आवाज इतनी तेज थी कि विस्फोट की तरह लिफ्ट का एक हिस्सा सरदार पिंजारी के शरीर पर जा गिरा, जिसमें पिंजारी के हाथ और पैर की हड्डियां टूट गईं और फ्रैक्चर हो गया। पिंजारी के साथ उनका ढाई साल का पोता भी था, जिसे उन्होंने सीने से लगाया और हादसे की सारी चोटें अपने ऊपर ले लीं। इस बीच, पिंजारी ने मांग की है कि सोसायटी के मालिक और पदाधिकारी उन्हें हादसे का मुआवजा दें और समय-समय पर सोसायटी की देखरेख भी करें।

जिले के 8 तालाबों को मिली कीचड़ से मुक्ति

22 हजार 050 क्यूबिक मीटर कीचड़ निकाला गया

दोपहर संवाददाता | ठाणे

जिले में पानी का स्तर बढ़ाने की दृष्टि से तालाबों को कीचड़ से मुक्त करने की योजना पिछले साल तैयार की गई। यह योजना जिला परिषद के लघु सिंचाई विभाग के माध्यम से चल रही है। साल 2024 व 2025 में मुरबाड, शहापूर, अंबरनाथ, भिवंडी व कल्याण इन पांच तहसील के तालाबों का कीचड़ निकालने की योजना है। जिसमें पाजर तालाब सहित गांव के 50 तालाबों को कीचड़ से मुक्त किया गया है। जून 2024 में जिले के 8 तालाबों से 22 हजार 050 क्यूबिक मीटर कीचड़ निकालने का काम पूर्ण किया गया। इन 8 तालाबों में अब 2करोड़ 20 लाख 50 हजार लीटर पानी की अधिक क्षमता बढ़ी। इसके अलावा जिले

के 42 गांवों के तालाबों का काम 2025 के अंत तक पूर्ण किए जाने की जानकारी लघु सिंचाई विभाग ने दी।इस योजना के तहत मुरबाड़ तहसील में 5,कल्याण तहसील में 2,शहापुर तहसील में 1 तालाब से कीचड़ निकालने में सफलता मिली। पिछले साल जून 2023 में 16 तालाबों से 36 हजार क्यूबिक मीटर कीचड़ निकाला गया था। इन तालाबों में 3 करोड़ 60 लाख लीटर पानी की क्षमता बढ़ी है।यह जानकारी दिलीप जोकार कार्यकारी अभियंता ने दी।

भिवंडी यातायात विभाग में जल्द होगी 10 पुलिसकर्मियों की बढ़ोतरी

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में ट्रैफिक की बढ़ती समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भिवंडी एआईएमआईएम ने ठाणे यातायात विभाग के उपायुक्त से मुलाकात कर उन्हें एक लिखित रुप से ज्ञापन सौंपा कर भिवंडी शहर में ट्रैफिक जाम की समस्याओं से अवगत कराया और यातायात प्रणाली को नियंत्र करने व यातायात विभाग में पुलिस कर्मियों की कमी बताते हुए उसे जल्द पूरा करने की मांग की है। दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि भिवंडी के ट्रैफिक विभाग में पुलिस कर्मियों की कमी के कारण शहर में ट्रैफिक की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। वहीं शहर में हेवी गाड़ियों के आने से भी सड़कों पर गड्ढे बढ़ते जा रहे हैं। जिसके कारण भी ट्रैफिक जाम लग जाता है और मार्ग पर गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। ट्रैफिक होने की वजह से एंबुलेंस तथा दमकल गाड़ियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही मानकोली नाका परिसर में भी लग रहे जाम पर चर्चा की गई। जिस पर ट्रैफिक विभाग उपायुक्त ने आश्वासन दिया है की वे जल्द ही भिवंडी शहर में 8 से 10 पुलिस कर्मियों की नियुक्ति करेंगे। जिससे यातायात विभाग की कार्य प्रणाली बेहतर हो सके। इस अवसर पर एमआईएम स्टूडेंट विंग के प्रदेश अध्यक्ष रविश मोमिन के साथ यूथ अध्यक्ष मो. शाकिर, डॉ. बिलाल, इरफान,सैफ, सरफराज, अनीस, इमरान, तनवीर, सलमान आदि उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय विभाग निधी का विकेंद्रीकरण नहीं होने देगे : नानासाहेब इंदिसे

दोपहर संवाददाता | ठाणे

राज्य सरकार ने सामाजिक न्याय विभाग निधी का तीर्थयात्रा के उपयोग के लिए निर्णय लिया है।साथ ही पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के विदेशी छात्रवृत्ति में भी कटौती की गई है। इसके विरोध में रिपाई एकतावादी ने बिगुल बजा दिया है। यदि इस निधी में कटौती करने के निर्णय को सरकार ने पीछे नहीं लिया तो राज्य भर में आंदोलन करने के की बात कही गई है। रविवार को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया व एकतावादी पार्टी का राज्यस्तरीय बैठक नानासाहेब इंदिसे के नेतृत्व में शास्त्रीनगर में आयोजित किया गया। साथ ही राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव व मनपा चुनाव पर चर्चा की गई। राज्य में कई जगहों पर बौद्ध, मातंग, चर्मकार समाज पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है, इसके विरोध में भी जन आंदोलन करने के लिए प्रस्ताव पास किया गया। इस बैठक में नानासाहेब इंदिसे ने कहा कि विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाने वाले दलित विद्यार्थियों की निधी में भी 50 प्रतिशत की कटौती सरकार ने किया है। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग के निधी को दलित समाज के विकास पर खर्च करने के अलावा अलग जगह पर उपयोग किया जा रहा है यह गलत है। मुख्यमंत्री संवेदनशील है लेकिन उन्होंने यह निर्णय लिया, तो दलित समाज के साथ में बड़ा अन्याय होगा। इस विषय को लेकर हम लोग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मुलाकात के बाद भी निधी का दुरुपयोग किया गया, तो हम लोग राज्य भर में आंदोलन करेंगे।इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विकास निकम,कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्रकुमार इंदिसे, राष्ट्रीय युवाध्यक्ष भय्यासाहेब इंदिसे, राष्ट्रीय महासचिव प्रल्हाद सोनावणे सहित राज्य भर से जिला अध्यक्ष पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे।

सड़क पर गड्ढों और गंदगी के विरुद्ध भिवंडी कांग्रेस उतरी सड़कों पर

कांग्रेस पार्टी का मनपा मुख्यालय पर जन आक्रोश हल्लाबोल मोर्चा

मनपा कमिश्नर मुर्दाबाद के लगे नारे

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

शहर में चारों तरफ फैली गंदगी की सफाई और सड़कों पर हुए गड्ढों की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर भिवंडी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भिवंडी महापालिका मुख्यालय पर हल्ला बोल मोर्चा निकालकर मनपा का घेराव किया, और आयुक्त से खराब सड़कों की मरम्मत करवाने, शहर में साफ-सफाई करवाने की मांग को लेकर मनपा आयुक्त अजय वैद्य के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। नदी नाका मेट्रो होटल के सामने से भिवंडी कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक एड रशीद ताहिर मोमिन के नेतृत्व में निकाला गया था जो वंजारपट्टी नाका, भिवंडी आगरा रोड से होते हुए मनपा मुख्यालय तक निकला गया। इस मोर्चे में प्रदेश कांग्रेस महासचिव रानी अग्रवाल, ठाणे जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष दयानंद चोरगे ,पीसीसी सदस्य जावेद फारुकी, सलाम शेख, सोहेल खान, प्रदेश महिला सचिव रेहाना अंसारी, भिवंडी कांग्रेस महिला अध्यक्ष रुकसाना कुरैशी, अरसी आजमी, बाबुल खान, हैदर खान, डॉक्टर कादिर, कांग्रेस जेष्ठ नेता फूलचंद यादव सहित कांग्रेस के पूर्व नगर सेवक पदाधिकारी व महिला पुरुष कार्यकर्ता शामिल थे।

इस अवसर पर मनपा मुख्यालय के सामने मोर्चा एक सभा में तब्दील हो गया। मोर्चे को संबोधित करते हुए भिवंडी शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट रशीद ताहिर ने कहा कि शहर की अधिकांश सड़कें आज गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिस पर चलना जानलेवा साबित हो रहा है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। बच्चों को स्कूल इन गड्ढों में होकर जाना पड़ता है। सड़कें खस्ताहाल होने के कारण यातायात जाम की समस्या भी पैदा हो रही है। नाली व गटर की सफाई ना होने से बारिश का पानी सड़कों पर बहता रहता है। जिसके कारण सड़क पर गड्ढों का साम्राज्य हो गया है। प्रशासन इन गड्ढों को केवल मिट्टी पत्थर डालकर मरम्मत करवा रही है। जिसके कारण सड़क पर और गंदगी, मिट्टी फैल रही है। उन्होंने कहा कि शहर में चारों तरफ गंदगी ही गंदगी फैली हुई है जिससे शहर बेहद गंदा हो गया है संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने भिवंडी मनपा आयुक्त के विरुद्ध मुर्दाबाद के भी नारे लगाऐ । कांग्रेस अध्यक्ष ने शहर में नाला सफाई के कार्यों में भारी भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया , साथ ही सड़क मरम्मत कर रहे ठेकेदार के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन कार्यों की बात सुनने के लिए मनपा आयुक्त ने एक शिष्ट को मंडल बुलाया और मोर्चे का नेतृत्व करने वाले जिला कांग्रेस अध्यक्ष रसीद ताहिर मोमिन ने शहर की गंदगी और सड़क की दुर्दशा पर विस्तार से चर्चा करते हुए उसे शीघ्र ही दुरुस्त करने की मांग की।

गोल मैदान में स्टेडियम बनाने की मांग

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

गोल मैदान में स्टेडियम बनाने की मांग को लेकर समाज सेवक मनोज साधवानी ने सार्वजनिक निर्माण कार्य मंत्री रविंद्र चव्हाण से मिले हैं और शिकायत की है कि गोल मैदान में स्टेडियम नहीं बनाया जा रहा है। इस काम में उनके ही पार्टी के कुछ नगरसेवक रुकावट पैदा कर रहे हैं।

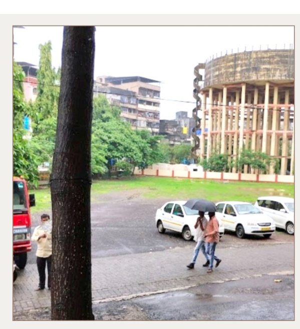

बता दें कि गोल मैदान में 2 साल पहले स्टेडियम का काम पास किया गया था लेकिन यह काम आज तक शुरू नहीं हुआ । इसके लिए करोड़ों रुपए का टेंडर जय भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया था। इसकी शिकायत मनोज साधवानी ने पहले मनपा आयुक्त सहित आला अधिकारियों से की लेकिन आज तक इसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी से नाराज होकर रविवार के दिन समाज सेवक मनोज साधवानी ने सार्वजनिक निर्माण कार्य मंत्री रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की और उनको सारी बात बताई। मंत्री ने मनोज साधवानी को आश्वासन देते हुए कहा कि उनके कार्य को गंभीरता से लिया जाएगा और जल्दी ही गोल मैदान परिसर में कई कार्य करवाए जाएंगे।

विधानसभा चुनाव से पहले राकांपा नेता अजित पवार जनसंवाद यात्रा शुरू करेंगे

दोपहर संवाददाता | नासिक

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में हार का सामना करने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की खातिर जमीन तैयार करने के लिए जन संपर्क कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने रविवार को कहा, 'अजित पवार के नेतृत्व में जनसंवाद यात्रा नासिक से शुरू की जाएगी।' नासिक में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तटकरे ने राज्य में महिलाओं, युवाओं और किसानों को कवर करने वाली एक लाख करोड़ रुपये की कल्याणकारी परियोजनाओं को शुरू करने का श्रेय अजित पवार को दिया। तटकरे ने दावा कि राकंपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री छगन भुजबल और प्रफुल्ल पटेल को आगामी विधानसभा चुनावों में बड़ी सफलता मिलेगी।

राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'अजित दादा (महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का लोकप्रिय नाम) राजनीति में 35 वर्षों से प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। उनके विरोधी उन्हें और राकांपा के दूसरे नेताओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें इन कोशिशों को नाकाम करने के लिए काम करना होगा। अजित पवार ही थे जिन्होंने कई परियोजनाओं की घोषणा करके महाविकास आघाडी सरकार को गिरा दिया था।' उन्होंने बताया कि अजित पवार के नेतृत्व वाली यात्रा नासिक से शुरू होकर सभी 288 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने चार सीट पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल एक पर ही जीत हासिल कर पाई, जबकि प्रतिद्वंद्वी राकांपा (शरदचंद्र पवार) गुट ने 10 में से आठ सीट पर कब्जा जमाया।

पूज्य चालिया साहेब मंदिर को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल किया जाए

विधायक कुमार आयलानी की मांग

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

राज्य सरकार ने 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की है और इस योजना में महाराष्ट्र के 66 प्रसिद्ध तीर्थ स्थल को शामिल गया है। जिसमें उल्हासनगर शहर में प्रसिद्ध पूज्य चालिया साहेब मंदिर को भी शामिल करने की मांग विधायक कुमार आयलानी ने मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री को निवेदन पत्र देकर की है।

बता दें कि उल्हासनगर कैम्प-5 स्थित पूज्य चालिया साहेब मंदिर में पिछले 75 सालों से एक ज्योत अखंड प्रज्वलित है। यह अखंड ज्योत भारत के पिरघोट में 125 सालों से प्रज्वलित है। पिरघोट से स्वतंत्र भारत में विस्थापन के समय लाई गई पवित्र ज्योत को अखंड प्रज्वलित रखने के लिये दिन में 2 बार सुबह 4 बजे और शाम 7 बजे तेल समर्पित किया जाता है। साथ ही हर 15 दिन में कपास की बाती बदली जाती है,पिछले 75 सालों से अखंड प्रज्वलित ज्योत को नमन करके पूज्य चालिया साहेब मंदिर में चालिया व्रत की शुरुआत की जाती है। मानवनिर्मित व मानव द्वारा 125 सालों से अखंड प्रज्वलित ज्योत को इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार ध्यान करना एकाग्रता देता है, संयम विवेक देता है : ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

रसोई में गैस सिलेंडर विस्फोट, दो घायल

दोपहर संवाददाता | मुंबई

विक्रोली के पार्कसाइट इलाके में स्थित एक घर में शनिवार की रात रसोई गैस सिलेंडर फटने से दो लोग घायल हो गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस सिलेंडर में विस्फोट के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार पार्कसाइट स्थित श्री राम सोसायटी में स्थित एक घर में शनिवार को देर रात अचानक रसोई गैस में विस्फोट हो गया। उस समय देरी से घर लौटे धनंजय और राधेश्याम खाना बना रहे थे। हादसे में धनंजयमिश्रा (47) और राधेश्याम माताप्रसाद पांडे (42) दोनों घायल हो गए। घायलों को तत्काल राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दोनों 90 प्रतिशत से अधिक जल गए हैं, इसलिए दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। विक्रोली पार्कसाईट पुलिस मौके पर सिलेंडर में ब्लास्ट कैसे हुआ, इसकी छानबीन कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

सिनेमा हॉल की कैंटीन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मध्य मुंबई के दादर इलाके में एक सिनेमा हॉल की कैंटीन में रविवार दोपहर के बाद आग लग गई और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग एकल स्क्रीन चित्रा सिनेमा की कैंटीन में अपराह्न करीब 3:15 बजे लगी, जिसपर दस मिनट में काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि एक दमकल और पानी के टैंकर को मौके पर भेजा गया तथा सिनेमा देखने वालों और कर्मचारियों को परिसर खाली करने को कहा गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है तथा आग लगने का वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

ममता का 'अपमान' लोकतंत्र के लिए गलत

नीति आयोग की बैठक पर संजय राउत का तंज

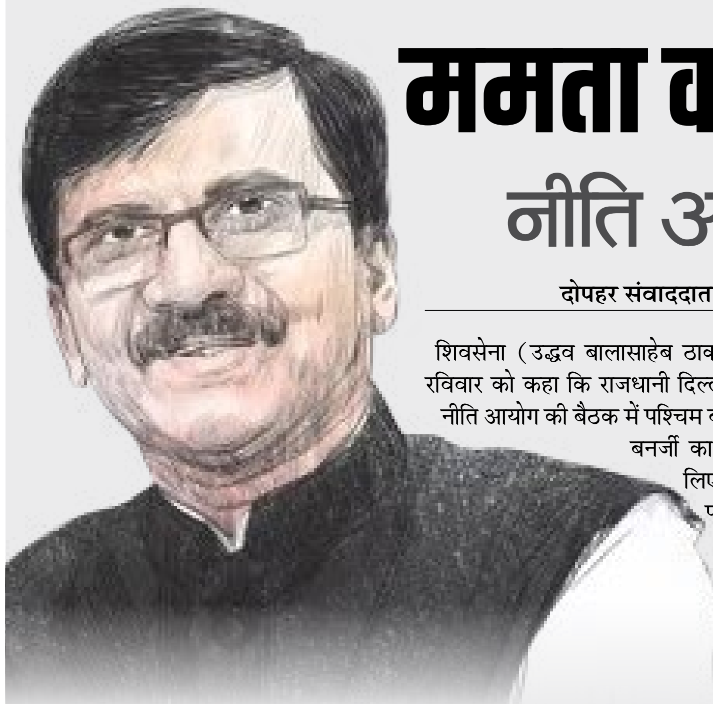

दोपहर संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि राजधानी दिल्ली में एक दिन पहली हुई नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का ''अपमान'' लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। इतना ही नही राउत ने महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा, "केंद्र द्वारा दिया जाने वाला धन भारत के लोगों का है। इसे विभिन्न करों के रूप में इकट्ठा किया जाता है। महाराष्ट्र को क्या मिला।हमारे मुख्यमंत्री खाली हाथ लौट आए।" जानकारी दें कि ममता बीते शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक बीच में छोड़कर बाहर निकल गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें भाषण के दौरान बीच में ही रोक दिया गया। हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता को बोलने के लिए दिया गया समय समाप्त हो गया था। इस बैठक में हिस्सा लेने वाली एकमात्र विपक्षी नेता ममता ने आरोप लगाया था कि उनके भाषण के 5 मिनट बाद उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि आंध्र प्रदेश, गोवा, असम और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ज्यादा समय तक बोलने की अनुमति दी गई। दरअसल दिल्ली में बीते शनिवार नीति आयोग की बैठक से बाहर निकलने के बाद TMC प्रमुख ने कहा था कि, "यह अपमानजनक है। मैं आगे से किसी भी बैठक में हिस्सा नहीं लूंगी।" हालांकी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आरोपों का खंडन करते हुए कहा था कि नीति आयोग की की बैठक में ममता बनर्जी को बोलने के लिए पूरा समय दिया गया था। लेकिन नीति आयोग की बैठक से बीच में ही इस तरह बाहर निकलने को लेकर तृणमूल कांग्रेस और BJP के बीच जुबानी जंग जरुर छिड़ गई है।

मुंबई में बारिश ने मचाई तबाही

जुलाई महीने की बारिश का टूटा रिकॉर्ड

एन. के. पुरोहित | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में झमाझम बारिश ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। पिछले करीब 25 दिन से मूसलाधार बारिश हुई थी। साल 2020 के बाद में मुंबई में जुलाई महीने में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। 26 जुलाई 2024 से बारिश की रफ्तार कमजोर हो गई है। मौसम विभाग (IMD) का कहना है कि अब जुलाई के आखिरी हफ्ते में बारिश की संभावना कम है। अब अगस्त महीने में फिर से मूसलाधार बारिश की आशंका है। IMD का कहना है कि मानसूनी सिस्टम अब दक्षिण भारत की ओर चला गया है। इस महीने के आखिरी 4 दिन आसमान में बादल छाए रहेंगे। रुक-रुक कर बारिश भी हो सकती है। वहीं जुलाई के महीने में काफी बारिश हुई है। इस मानसून में 27 जुलाई को सुबह 8.30 बजे तक 2,003 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसमें सिर्फ जुलाई महीने में ही 1,656 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जबकि पिछले महीने 347 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

साल 2020 के बाद जुलाई महीने में सबसे ज्यादा बारिश

जुलाई का महीना शहर में साल 2020 के बाद अब तक का दूसरा सबसे ज़्यादा बारिश वाला महीना है। वहीं पिछले साल यानी साल 2023 में इसी अवधि में 1776 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, साल 2020 में जुलाई महीने में 1502.6 मिमी बारिश हुई थी। वहीं साल 2019 में 1464.8 मिमी, साल 2014 में 1468.7 मिमी, साल 2005 में 1454.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। 26 जुलाई 2005 में को एक दिन में 944 मिमी बारिश होने से मुंबई में बाढ़ आ गई थी। भारी बारिश की वजह से कई जगह जलभराव की समस्या देखने को मिली। मुंबई से सटे ठाणे जिले में मूसालाधार बारिश हुई। भारी बारिश का असर लोकल ट्रेन और फ्लाइट्स पर भी पड़ था। लोकल की रफ्तार धीमी हो गई थी। कई ट्रेनें अपने समय से 15-20 मिनट देरी से चल रहीं थी।

मुंबई के जलाशय लबालब भरे

वहीं मुंबई में पानी की आपूर्ति करने वाले जलाशयों की बात करें तो यहां भी पानी का स्तर बढ़ गया है। पानी के भंडारण में इजाफा हुआ है। हालांकि तालाब के इलाकों में मुंबई के मुकाबले बारिश कम हुई है। सबसे अधिक बारिश वैतरणा बांध में हुई है। यहां 27 जुलाई 2024 को सुबह तक 24 घंटों में 25 मिनी बारिश हुई थी। बृहन्मुंबई महानगर पालिका के मुताबिक, तुलसी, विहार, मोडक सागर और तानसा सीलें ओवरफ्लो हो चुकी हैं। ऊपरी वैतरणा का पानी का स्टॉक 40.91 फीसदी, भता का 69.79 फीसदी और मध्य वैतरणा का 72.29 फीसदी स्टॉक है।

लोकल ट्रेन में स्टंट करना पड़ा भारी

गंवा दिया हाथ और पैर, पुलिस गिरफ्तार करने पहुंची तो हुई हैरान

मुनीब चौरसिया | मुंबई

मुंबई की लोकल ट्रेन में खतरनाक स्टंट करने का एक वीडियो कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इस वीडियो को संज्ञान में लेकर रेलवे पुलिस ने FIR दर्ज करके जांच कर शुरू कर दी। पुलिस जब उस शख्स को गिरफ्तार करने पहुंची तो वो भी हैरान रह गई। पुलिस के भी आंखों में आंसू आ गए। उपनगरीय लोकल ट्रेन में खतरनाक स्टंट करने वाले इस युवक ने स्टंट के दौरान अपना एक हाथ और एक पैर गंवा दिया है। पुलिस को युवक ने जब देखा तो वो रो पड़ा। युवक ने दूसरों को सलाह दी कि वह इस तरह के खतरनाक स्टंट को करने से बचें।

वहीं पुलिस ने युवक का यह वीडियो बनाकर एक्स पर शेयर किया है। ताकि रील्स के चक्कर में जान हथेली पर रखने वालों को सबक मिल सके। सोशल मीडिया 'एक्स' पर 14 जुलाई को एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें एक युवक प्लेटफॉर्म से निकल रही एक ट्रेन पर चढ़कर खतरनाक स्टंट करता हुआ दिखाई दे रहा था।

सेंट्रल रेलवे के DRM ने लिया एक्शन

इस वीडियो पर जवाब देते हुए मुंबई सेंट्रल के डीआरएम ने कहा था कि जानकारी देने के लिए धन्यवाद। RPF पोस्ट VDLR को वीडियो में दिख रहे अज्ञात यात्री के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे इस तरह की असुरक्षित गतिविधियों से दूर रहें और अपने एवं यात्रियों के लिए जीवन को खतरे में ना डालें। वीडियो सामने आने के बाद व्यक्ति की पहचान की तो उसकी पहचान वडाला के एंटॉप हिल निवासी फरहत अज़ाम शेख के रूप में हुई। पुलिस उसके घर पहुँची तो पता लगा कि मुंबई के मस्जिद रेलवे स्टेशन पर इसी प्रकार का स्टंट करते हुए फरहत ने अपना बायाँ हाथ और पैर खो दिया है। शिवडी रेलवे स्टेशन का वीडियो 7 मार्च का है और इसे उसके एक दोस्त ने रिकॉर्ड किया था।

पानी छोड़े जाने के बारे में महाराष्ट्र को सूचित करने के लिये तेलंगाना से कहा गया : फडणवीस

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने भारी बारिश के बीच तेलंगाना से मेदिगड्डा बांध से पानी छोड़े जाने के बारे में पहले से उसे सूचित करने के लिये कहा है। उपमुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि तेलंगाना में भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण मेदिगड्डा बांध से पानी छोड़ना आवश्यक हो सकता है। जल संसाधन मंत्री फडणवीस ने कहा कि इस संबंध में जल संसाधन विभाग तेलंगाना के सिंचाई विभाग के साथ संवाद कर रहा है। फडणवीस ने एक बयान में कहा, 'तेलंगाना में भारी बारिश के कारण मेदिगड्डा बांध से पानी छोड़ने की जरूरत पड़ सकती है। तेलंगाना सिंचाई विभाग के प्रधान सचिव और कार्यकारी अभियंता को किसी भी तरह के पानी को छोड़ने से पहले महाराष्ट्र सरकार को सूचित करने को कहा गया है।' उन्होंने बताया कि भंडारा में, जहां भारी बारिश हो रही है, गोसीखुर्द बांध के सभी 33 गेट खोल दिए गए हैं तथा पूरी मशीनरी अलर्ट पर है।

जर्जर इमारतों को म्हाडा की नोटिस

826 इमारतों को नोटिस | म्हाडा की ओर से सुनवाई शुरू

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई म्हाडा के बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आने वाली कई अधिगृहीत इमारतें खतरनाक हो गई हैं। इसके बाद भी भवन मालिक पुनर्विकास की अनदेखी कर रहे हैं। बोर्ड ने ऐसी 826 इमारतों को नोटिस जारी किया है। साथ ही बिल्डिंग मालिक और सोसायटी के साथ भी सुनवाई की जा रही है।

मुंबई बिल्डिंग एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड के पास दक्षिण मुंबई में लगभग 14,000 से अधिक इमारतें हैं। इनमें से अधिकतर इमारतों को खतरनाक से बहुत खतरनाक की श्रेणी में रखा गया है। मानसून के दौरान खतरनाक इमारतें ढहने की घटनाएं हो रही हैं। इसलिए, म्हाडा संबंधित इमारतों के भूमि मालिकों के साथ-साथ इमारतों के निवासियों से पुनर्विकास के लिए आगे आने की अपील कर रही है।

इसके मुताबिक 826 भवनों के मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इस नोटिस के मुताबिक पुनर्विकास का फैसला मालिकों और निवासियों के साथ सुनवाई के बाद लिया जाता है. ग्रांटरोड में सैदुन्निसा इमारत हादसे के बाद एक बार फिर खतरनाक इमारतों का मुद्दा सामने आ गया है. खासतौर पर दक्षिण मुंबई की 14 हजार सेस बिल्डिंगों में से ज्यादातर खतरनाक हैं। इनमें से हजारों निवासी जान हथेली पर रखकर जी रहे हैं। एहतियात के तौर पर म्हाडा के मुंबई बिल्डिंग रिपेयर एंड रिकंस्ट्रक्शन बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद सुंदरकर ने इस संबंध में कार्यवाही तेज कर दी है।

पश्चिम रेलवे ने 8 जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

दोपहर संवाददाता | मुंबई

यात्रियों की सुविधा और यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे ने विशेष किराए पर आठ जोड़ी विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल (अनारक्षित) को 31 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल (अनारक्षित) को 30 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल को 30 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09208 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल को 29 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09059 सूरत-ब्रह्मपुर साप्ताहिक स्पेशल को 27 नवंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09060 ब्रह्मपुर-सूरत साप्ताहिक स्पेशल को 29 नवंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह ट्रेन संख्या 09007 वलसाड-भिवानी साप्ताहिक स्पेशल को 29 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09008 भिवानी-वलसाड साप्ताहिक स्पेशल को 30 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है।

ट्रेन संख्या 03110 वडोदरा-सियालदह साप्ताहिक स्पेशल को 26 सितंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 03109 सियालदह-वडोदरा साप्ताहिक स्पेशल को 24 सितंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह ट्रेन संख्या 09493 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल को 25 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09494 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक को 27 अगस्त, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09425 साबरमती- हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 29 नवंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार - साबरमती बीजी द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 30 नवंबर, 2024 तक बढ़ाया गया है।

महिलाओं से शादी कर उनसे ठगी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

पालघर। देशभर में 20 से अधिक महिलाओं के साथ कथित तौर पर शादी करने और उनसे कीमती सामान की ठगी करने को लेकर महाराष्ट्र की पालघर जिला पुलिस ने 43 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि नालासोपारा निवासी एक महिला की शिकायत की जांच कर रही मीरा भायंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने 23 जुलाई को ठाणे जिले के कल्याण से आरोपी फिरोज नियाज शेख को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ निरीक्षक विजयसिंह भागल ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने एक वैवाहिक वेबसाइट पर उससे दोस्ती की और उससे शादी की। उन्होंने बताया कि शेख ने अक्टूबर और नवंबर 2023 में महिला से 6.5 लाख रुपये की नकदी, एक लैपटॉप और अन्य कीमती सामान लिए। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, चेकबुक और गहने बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि शेख

वैवाहिक साइट पर तलाकशुदा और विधवा महिलाओं से संपर्क करता था। इसके बाद वह महिलाओं से शादी कर उनकी कीमती वस्तुएं ठग लेता था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने 2015 से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों में 20 से अधिक महिलाओं से ठगी की है।

संपादकीय

सत्ता के खेल और तिकड़में

सरकार बनाये रखने या चुनाव जीतने के लिये भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से हथकंडे अपनाती है, इसका एक और उदाहरण महाराष्ट्र में देखने को मिला है जहां पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने उन पर दबाव डाला था कि वे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके पुत्र आदित्य ठाकरे, नेशनल कांग्रेस पार्टी के अजित पवार और पूर्व परिवहन मंत्री अनिल परब को फंसाने वाले हलफनामे पर हस्ताक्षर कर दें जिसके लिये उन्होंने मना कर दिया था। यह तब की बात है जब राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना, एनसीपी तथा कांग्रेस की सरकार चल रही थी। भारतीय जनता विपक्ष में थी। देशमुख के अनुसार एक मध्यस्थ के माध्यम से उनके पास यह संदेश आया था। वह मुलाकात एक होटल में हुई थी जिसमें उन्हें प्रस्ताव दिया गया था कि अगर देशमुख ऐसा करते हैं तो उन्हें उनके खिलाफ चल रहे मामले में राहत मिल जायेगी। देशमुख के अनुसार उन्होंने इस प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया था। उल्लेखनीय है कि देशमुख ने इसी सरकार में गृह मंत्री के पद से अप्रैल, 2021 में इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उन पर मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह द्वारा आरोप लगाया गया था कि उन्होंने उनसे कहा था कि पुलिस वालों से वे शहर भर के होटलों व बार मालिकों से हफ्ता वसूली के लिये कहें। देशमुख अब एनसीपी (शरद पवार) के नेता हैं। यह मामला इसलिये उठा है क्योंकि बुधवार को फडनवीस ने आरोप लगाया है कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार के खिलाफ़ अनिल देशमुख बातें करते रहे हैं जिसकी वीडियो क्लिप उनके पास है। इसी के जवाब में देशमुख ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर फडनवीस को चुनौती दी कि वे कथित वीडियो क्लिप को सार्वजनिक करें। इसी सन्दर्भ में बुलाई मीडिया कांफ्रेंस में खुद देशमुख ने यह आरोप जड़ दिया। उनका आरोप है कि उनसे कहा गया था कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उनके पीछे न ही ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) लगेगी और न ही सीबीआई। वैसे देशमुख की इस चुनौती का जवाब भी फडनवीस की ओर से आ गया है। उन्होंने कहा कि देशमुख के खिलाफ उनकी पार्टी के ही नेता उनसे मिले थे। उन लोगों के पास उद्धव ठाकरे, शरद पवार, विवादास्पद पुलिस अधिकारी सचिन वाजे आदि के खिलाफ उनकी (देशमुख) टिप्पणियों वाले सबूत भी थे। फडनवीस ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें चुनौती दी गयी तो उनके पास वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने के अलावा और कोई चारा नहीं रह जायेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि परमबीर सिंह द्वारा उन पर लगाये 100 करोड़ रुपये की वसूली वाले आरोप के मामले में देशमुख जमानत पर हैं। इस प्रकरण में जिस वीडियो क्लिप को लेकर विवाद हो रहा है, वह सार्वजनिक होती है या नहीं और क्या उस क्लिप से कुछ साबित होता है, यह तो पता नहीं लेकिन एक बात साफ है कि विरोधी दलों के नेताओं को फंसाने और स्थिर सरकारों को गिराने या डांवाडोल करने का भाजपायी खेल लम्बे अरसे से जारी है, उसकी महाराष्ट्र में गहरी जड़ें होने का एक और सबूत मिला है। वैसे तो भाजपा ने अनेक सूबों में विरोधी दलों की सरकारों को इन्हीं तरह के दांव-पेंचों से गिराया है, लेकिन महाराष्ट्र में यह खेल बड़े पैमाने पर खेला गया था जिससे देश का लोकतंत्र शर्मसार हुआ था। याद हो कि 2022 के विधानसभा चुनावों में एक बार भाजपा की सरकार बनी थी जो बाद में पलट गयी थी। यहां एनसीपी व कांग्रेस के समर्थन से उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार तो बनी थी लेकिन बाद में शिवसेना व एनसीपी को तोड़कर भाजपा ने सरकार बनाई है। यह आश्चर्य की बात है कि हाल के लोकसभा चुनावों में इसी महाराष्ट्र में झटका खाने के बाद भी भाजपा का नेतृत्व अपनी इन क्षुद्र हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें जबर्दस्त ढंग से घटी हैं। भाजपा ने जिस प्रकार से शिवसेना व एनसीपी को तोड़ा था, उसका अच्छा संदेश जनता में नहीं गया था। उद्धव और पवार के पक्ष में सहानुभूति लहर चल पड़ी थी। राज्य में अक्टूबर तक चुनाव होने हैं। भाजपा की इसी तोड़-फोड़ के कारण आज भी जनता की सहानुभूति उद्धव-पवार के साथ है। बहुत सम्भव है कि इसका खामियाजा एक बार फिर से भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। विधानसभा चुनावों में वहां की जनता क्या फैसला करती है यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन भाजपा का षड्यंत्रकारी चेहरा एक बार फिर से बेनकाब हो गया है।

क्या हो जाएगी योगी की विदाई?

प्रो. रविकांत

उत्तर प्रदेश की राजनीति इस समय एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है। गुजरात लॉबी और योगी आदित्यनाथ के बीच का सीधा संघर्ष जारी है। पिछले एक महीने से योगी आदित्यनाथ को हटाने के कयास लगाए जा रहे हैं। बहुत सारे प्रमाण मौजूद हैं जिससे जाहिर होता है कि उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन अवश्यम्भावी है।

दरअसल, योगी आदित्यनाथ का हटना उसी दिन तय हो गया था, जब लोकसभा चुनाव के बीचों बीच नरेंद्र मोदी को यह कहना पड़ा था कि योगी आदित्यनाथ उनके मुख्यमंत्री हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जब जिस मुख्यमंत्री को चाहा, हटा दिया। गुजरात में पहले दो-दो मुख्यमंत्री बदले गए, फिर पूरी कैबिनेट को ही बदल दिया गया। इसी तरह उत्तराखंड में भी दो मुख्यमंत्री बदले गए। हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया गया। लेकिन कहीं विरोध की कोई आवाज नहीं सुनाई पड़ी। इतना ही नहीं, मध्य प्रदेश में भारी बहुमत से चुनाव जिताने वाले शिवराज सिंह चौहान भी विद्रोह करने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उनकी जगह पर मोहन यादव को मुख्यमंत्री बना दिया गया। शिवराज सिंह चौहान इतना भर कह पाए कि वे बीजेपी के एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्हें जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, वे उसका पालन करेंगे। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी की बेहद कद्दावर लीडर वसुंधरा राजे सिंधिया को भी एक झटके में मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर कर दिया गया। दिल्ली से भेजी गई पर्ची में लिखे हुए नाम को उन्हें खुद पढ़ना पड़ा। भजन लाल शर्मा का नाम पढ़कर वह खुद हतप्रभ थीं, कि उनकी जगह पर एक अनजाने से, पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है और उसके नाम का ऐलान खुद उनसे करवाया जा रहा है। तथापि उनमें बगावत करने की हिम्मत नहीं हुई। ऐसे में यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या योगी आदित्यनाथ को इसी तरह हटाने की हिम्मत गुजरात लॉबी में नहीं है? नरेंद्र मोदी और अमित शाह का संगठन पर पूरा कब्जा है। पार्टी की कमान उनके हाथों में है। कॉरपोरेट लॉबी उनके पास है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को चुनौती देने वाला कोई नहीं है। बावजूद इसके योगी आदित्यनाथ को हटाने की हिम्मत अभी गुजरात लॉबी नहीं कर पा रही है। हालांकि नरेंद्र मोदी अगर आज चाहें तो वे योगी आदित्यनाथ को हटा सकते हैं और योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। लेकिन योगी आदित्यनाथ की अपनी यूएसपी है। वे हिंदुत्व का फायर ब्रांड चेहरा हैं। योगी आदित्यनाथ के सामने मोदी और शाह को खतरा यह है कि आगे चलकर वे भाजपा के हिंदुत्व के असली दावेदार के रूप में अपने आप को पेश कर सकते हैं।

गौरतलब है कि इस समय आरएसएस दो धड़ों नें बंटा हुआ है। इसी दरमियान मोहन भागवत ने भी नरेंद्र मोदी के नॉन बायोलॉजिकल वाले बयान पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रहार किया है। अब यह बहुत आसानी से समझा जा सकता है कि मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी के बीच दूरियां हैं। आरएसएस का मोहन भागवत वाला धड़ा गुजरात लॉबी का विकल्प चाहता है। असल में यह गुट, नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बीजेपी पर पकड़ को ढीली करना चाहता है। जाहिर तौर पर मोहन भागवत योगी आदित्यनाथ के साथ अप्रत्यक्ष रूप से खड़े हो सकते हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह योगी आदित्यनाथ को इतना कमजोर कर देना चाहते हैं, ताकि हटाने के बाद योगी कोई चुनौती ना बन सकें। योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का कट्टर चेहरा हैं। वे सोशल इंजीनियरिंग करना नहीं जानते। शायद उनकी फितरत भी ऐसी नहीं है। जाहिर है कि भारत की सामाजिक व्यवस्था में सोशल इंजीनियरिंग या सामाजिक न्याय की राजनीति के बगैर अब सत्ता हासिल करना असंभव है। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी ने एक जुमला दिया था- आपदा में अवसर। उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार नरेंद्र मोदी के लिए आपदा में अवसर बन गयी है। यूपी में केवल तैतीस सीटों पर भारतीय जनता पार्टी सिमट गई। फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। लेकिन यह एनडीए की सरकार है। उत्तर प्रदेश बीजेपी के राम मंदिर आंदोलन का केंद्र है। एक तरह से हिंदुत्व का सबसे बड़ा गढ़ यूपी है। बीजेपी की हिंदुत्व राजनीति का सबसे ऊर्जस्वित और आक्रामक नारा जय श्रीराम रहा है। लेकिन नरेंद्र मोदी ने 4 जून के बाद जय श्रीराम का नारा लगाना बंद कर दिया। क्या उत्तर प्रदेश में केवल पराजय के कारण नरेंद्र मोदी ने ऐसा किया है? अथवा इसमें भी कोई राजनीतिक खेल छिपा हुआ है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी की हार को विपक्ष हिंदुत्व की पराजय के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। खासतौर पर अयोध्या की हार ने हिंदुत्व पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, नरेंद्र मोदी भी आरएसएस के सामने यूपी की हार को इसी रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं। अलबत्ता, नरेंद्र मोदी ने कारपोरेट मीडिया, आईटी सेल और पार्टी पर मजबूत पकड़ के कारण अपने ब्रांड को बहुत कमजोर नहीं होने दिया। भाजपा के 240 के आंकड़े को नरेंद्र मोदी केवल ब्रांड मोदी की परफॉर्मेंस के रूप में दिखाना चाहते हैं। उनका मकसद यह दिखाना है कि बहुमत नहीं मिलने के पीछे हिंदुत्व की असफलता है। इस तीर से नरेंद्र मोदी सीधे तौर पर योगी आदित्यनाथ का शिकार करना चाहते हैं। मोदी का मकसद यह बताना है कि योगी के हिंदुत्व के सहारे भारतीय जनता पार्टी कभी सत्ता में नहीं पहुंच सकती। इतना ही नहीं योगी आदित्यनाथ को केवल एक जाति के नेता के तौर पर टैग करने की भी कोशिश चल रही है।

केशव प्रसाद मौर्य हों या अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद हों या ओमप्रकाश राजभर ये तमाम मोहरे हैं। इन मोहरों के जरिए वजीर को निशाना बनाया जा रहा है। जाहिर तौर पर योगी आदित्यनाथ सोशल इंजीनियरिंग के लिए नहीं जाने जाते। पिछड़ों में उनकी कोई खास पहुंच और पहचान भी नहीं है।

पहले विपक्षियों द्वारा और अब उनकी ही पार्टी के तमाम नेताओं द्वारा आरक्षण नहीं देने और ओबीसी समाज की अवहेलना करने का आरोप पुख्ता करने की कोशिश हो रही है। यही असली दांव है जिसके जरिए गुजरात लॉबी योगी आदित्यनाथ को राजनीतिक रूप से निपटाना चाहती है। आरोपों का यह दौर अभी और चलने वाला है। योगी आदित्यनाथ को ठाकुरवादी और खास तौर पर पिछड़ा विरोधी साबित करने के बाद उनकी विदाई की तारीख पक्की होगी। इस प्रकार सांप भी मर जाएगा और लाठी भी नहीं टूटेगी!

सहज योग

एक नई संस्कृति और नया जीवन

हम वे लोग नहीं हैं जो एक प्रकार के हिंसक या शांतिपूर्ण प्रतिक्रिया (यदि आप इसे समाज के प्रति प्रतिक्रिया कहते हैं) में रत हों। जैसे आज हमारे पास इस प्रकार के कई संगठन हैं, मैं पाती हूं जो, 'यह इस पर प्रतिक्रिया है, यह उस की प्रतिक्रिया है।

एक नई संस्कृति, एक नया जीवन, एक नई नस्ल का एक नया युग आ रहा है। मैं बहुत आनंदित हूं कि आप सभी यहां आध्यात्मिक मूल्यों की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने के लिए हैं, जहां हम किसी भी अलगाववादी आदर्शों में विश्वास नहीं करते हैं। हम प्रतिक्रिया नहीं हैं। हम किसी भी अवधारणा पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं। हम स्व-निर्मित हैं, अपने स्वयं के अनुभवों और सत्य पर खड़े हैं, यह इतना स्पष्ट है। हम वे लोग नहीं हैं जो एक प्रकार के हिंसक या शांतिपूर्ण प्रतिक्रिया (यदि आप इसे समाज के प्रति प्रतिक्रिया कहते हैं) में रत हों। जैसे आज हमारे पास इस प्रकार के कई संगठन हैं, मैं पाती हूं जो, 'यह इस पर प्रतिक्रिया है, यह उस की प्रतिक्रिया है। यह कोई ऐसा समाज नहीं है जो धन, शक्ति जैसी किसी चीज की मांग कर रहा है-न ही ऐसा समाज है जो खुद को दलित या वंचित लोग कहता है। यह आज हमारे पास सर्वाधिक विशेषाधिकार प्राप्त समाज है। इस विशेषाधिकार का सार यह है कि आप सभी योगी हैं, आप सभी संत हैं, आप सभी सफ़िया [शुद्ध] हैं। कि आपके दिल में संतोष है, कि अब देने का समय आ गया है, अब तेल या प्रकाश के लिए कोई मांग नहीं है। आपको जो उपलब्ध हुआ है वह प्रकाश और तेल है जो हर समय आप में बहता रहता है। बस इस प्यार को पूरी दुनिया में फैलाना है। ऐसा प्रेम का विश्वास, ऐसी विनय की गतिशीलता, ऐसी करुणा का तेज, ऐसी गहन शांति। यह सहजयोगियों के समाज में प्रचलित हैः मित्रता, सुंदर विचारों और भावनाओं की कई लहरों जैसा प्रेम। एक उच्च जीवन की, एक शांत जीवन की, एक उदात्त जीवन की एक नई समझ के इस महासागर को सभी बाधाओं, सभी निरर्थक कार्यों को तोड़ना है। आज हम आमने-सामने हैं, भगवान का शुक्र है। कट्टरपंथियों के कारण, धर्मान्धों के कारण, अविश्वासियों के कारण, राजनेताओं के कारण, अर्थशास्त्रियों के कारण, वैज्ञानिकों के कारण, उन सभी के कारण, जो उनके द्वारा बनाए गए झूठे रास्ते से बद्ध (प्रतिबंधित)हैं। वैज्ञानिक हर किसी की तुलना में बहुत अधिक बद्ध (प्रतिबंधित) हैं। वे यह मानने से इंकार कर देते हैं कि हमारे ऊपर सर्वशक्तिमान ईश्वर है। वे वैज्ञानिक नहीं हैं, क्योंकि उनमें विचार का खुलापन नहीं हैं। यदि आपके पास विचार का खुलापन नहीं है, तो आप वैज्ञानिक नहीं हैं। अब समय आ गया है कि आप ईश्वर और उनके राज्य के अस्तित्व को साबित करें, जो हमें सुरक्षा, शांति और आनंद देता है। कुण्डलिनी के बारे में- मुझे नहीं पता कि मैंने कितने व्याख्यान दिए हैं और इसे इतने तरीकों से कार्यान्वित किया है ताकि आप सभी इसे सराहे, समझें, जानें। केवल कुंडलिनी का ज्ञान ही हमारी सहायता करने वाला नहीं है। आपको कुछ ऐसे लोग मिल सकते हैं जिन्हें आप में से कुछ लोगों की तुलना में कुंडलिनी की अधिक जानकारी है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर : निधन- 29 जुलाई, 1891 देहावसान

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का जन्म 26 सितंबर 1820 को बंगाल के मेदिनीपुर जिले के वीरसिंह गांव में हुआ था। वह प्रसिद्ध दार्शनिक, शिक्षाविद, समाज सुधारक, लेखक, अनुवादक थे। संस्कृत भाषा और दर्शन में विशिष्ट ज्ञान के कारण विद्यार्थी जीवन में ही विद्यासागर की उपाधि मिली। उनकी मृत्यु 70 साल की आयु में 29 जुलाई, 1891 को कोलकाता में हुई।

अगर सफल और प्रतिष्ठित बनना है, तो झुकना सीखो

भले ही मनुष्य कितना भी बड़ा क्यों न बन जाये। परंतु उसे हमेशा अपना अतीत याद करते रहना चाहिए। नास्तिक व्यक्ति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर भगवान में विश्वास करना चाहिए। इसी में उनका हित है। अगर सफल और प्रतिष्ठित बनना है, तो झुकना सीखो। क्यूंकि जो झुकते नहीं, समय की हवा उन्हें झुका देती है। मनुष्य का सबसे बड़ा कार्य दूसरों की भलाई और सहयोग होना चाहिए, जो कि एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। यदि कोई व्यक्ति बड़ा बनना चाहता है तो उसे छोटे-छोटे काम भी पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए, क्योंकि स्वावलंबी ही श्रेष्ठ होता है। जो मनुष्य संयम के साथ, विद्या ग्रहण करता है और अपनी विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक में ही नहीं, बल्कि परलोक में भी होती है। कष्ट और परेशानी के बिना जीवन बिना नाविक की नाव जैसा है, जिसमें खुद का कोई विवेक नहीं। जिस तरह नाविक के बिना नाव जहां हवा का झोंका होता है, वहीं चली जाती है। समाज के हित में किए गए कार्यों से बढ़कर दूसरा कोई नेक काम नहीं है। यही मनुष्य का सच्चा धर्म है। ध्यान करना एकाग्रता देता है, संयम विवेक देता है। शांति, संतुष्टि और परोपकार मनुष्यता देती है। समस्त जीवों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है, क्योंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है। विद्या सबसे अनमोल धन है। इसके आने मात्र से हमारा ही नहीं अपितु पूरे समाज का कल्याण होता है। अपने हित से पहले, समाज और देश के हित को देखना एक विवेकयुक्त सच्चे नागरिक का धर्म होता है। जो व्यक्ति दूसरों के काम न आये, वह वास्तव में मनुष्य नहीं है। दूसरों के कल्याण से बढ़कर दूसरा कोई नेक काम और धर्म नहीं होता है। जिसके अंदर विनम्रता है वही जीवन में सुखी और सफल है और विनम्रता विद्या से ही आती है। बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमें खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके में भी चल देता है। संसार में सफल और सुखी वही लोग हैं, जिनके अंदर 'विनय' हो और विनय विद्या से ही आती है। जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक में नहीं वरन परलोक मे भी होती है।

प्रेरक प्रसंग

मन

सुबह होते ही, एक भिखारी नरेन्द्रसिंह के घर पर भिक्षा मांगने के लिए पहुंच गया। भिखारी ने दरवाजा खटखटाया, नरेन्द्रसिंह बाहर आये पर उनकी जेब में देने के लिए कुछ न निकला। वे कुछ दुखी होकर घर के अंदर गए और एक बर्तन उठाकर भिखारी को दे दिया। भिखारी के जाने के थोड़ी देर बाद ही वहां नरेन्द्रसिंह की पत्नी आई और बर्तन न पाकर चिल्लाने लगी- 'अरे! क्या कर दिया आपने चांदी का बर्तन भिखारी को दे दिया।

दौड़ो-दौड़ो और उसे वापिस लेकर आओ। नरेन्द्रसिंह दौड़ते हुए गए और भिखारी को रोककर कहा- भाई मेरी पत्नी ने मुझे जानकारी दी है कि यह गिलास चांदी का है, कृपया इसे सस्ते में मत बेच दीजिएगा। वहीं पर खड़े नरेन्द्रसिंह के एक मित्र ने उससे पूछा- मित्र! जब आपको पता चल गया था कि ये गिलास चांदी का है तो भी उसे गिलास क्यों ले जाने दिया? नरेन्द्रसिंह ने मुस्कुराते हुए कहा- मन को इस बात का अभ्यस्त बनाने के लिए कि वह बड़ी से बड़ी हानि में भी कभी दुखी और निराश न हो! मन को कभी भी निराश न होने दें, बड़ी से बड़ी हानि में भी प्रसन्न रहें। मन उदास हो गया तो आपके कार्य करने की गति धीमी हो जाएगी। इसलिए मन को हमेशा प्रसन्न रखने का प्रयास करें।

सुविचार

मानवता की महानता मानव होने में नहीं है, बल्कि मानवीय होने में है।

शख्सियत बलवंत बाबासाहेब पुरंदरे

प्रसिद्ध उपन्यासकार और इतिहासकार

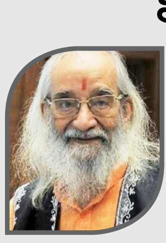

बलवंत मोरेश्वर बाबासाहेब पुरंदरे महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध भारतीय लेखक, कवि, कहानीकार, कथावाचक, लेखक, नाटककार, उपन्यासकार, इतिहासकार और थिएटर व्यक्तित्व और 17वीं शताब्दी के मराठा राजा छत्रपति शिवाजी पर अधिकार रखने वाले व्यक्ति थे।

बलवंत मोरेश्वर बाबासाहेब पुरंदरे का जन्म 29 जुलाई 1922 को पुणे में हुआ था। उनके पिता, मोरेश्वर पुरंदरे, पुणे के भावे हाई स्कूल में एक कला शिक्षक थे। बाबासाहेब ने उसी स्कूल में पढ़ाई की और सर परशुरामभाऊ कॉलेज से कला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 16 साल की उम्र में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराष्ट्र के इतिहास और संस्कृति पर शोध करना शुरू कर दिया। इतिहास के प्रति उनका प्रेम जीवन भर उनके साथ रहा।

पुरंदरे ने शिवाजी और अन्य ऐतिहासिक विषयों से संबंधित 36 पुस्तकें लिखीं। जलत्या थिंग्या के अलावा, उन्होंने मुजर्याचे मनकारी, दक्खंची दौलत, शनिवर वद्यतिल शमादान, पुरंदरच्या बुरुजावरुण, पुरंदर्यांची नौबत, पुरंदर्यांच सरकारवाड़ा और महाराज जैसी ऐतिहासिक सर्वसामग्री भी लिखीं। उन्होंने भूलभुलैया नव रायगढ़, भूलभुलैया नव आगरा, भूलभुलैया नव पन्हालगढ़, भूलभुलैया नव प्रतापगढ़ और भूलभुलैया नव पुरंदर जैसे विभिन्न किलों पर जानकारीपूर्ण किताबें लिखीं। 1962 में उन्होंने शिलांगनाचे सोन और 1973 में शेलारखिंड लिखी। मशहूर अभिनेता और निर्माता रमेश देव ने फिल्म सरजा पुरंदरे के उपन्यास शेलारखिंड पर आधारित है।

1974 में, पुरंदरे ने शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की 300वीं वर्षगांठ के अवसर पर, मुंबई के दादर में एक शिवसृष्टि (राजा शिवाजी का स्मारक) बनाया। उस समय विभिन्न समुदायों के लाखों लोगों ने शिवसृष्टि के दर्शन किये।

पुरंदरे को अपने जीवनकाल में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उनकी पुस्तक राजा शिवछत्रपती के लिए उन्हें महाराष्ट्र सरकार का पुरस्कार मिला। उन्हें ट्राइडल, पुणे द्वारा प्रतिष्ठित पुण्यभूषण पुरस्कार, चतुरंग प्रतिष्ठान द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार और 1963 में सतारा की राजमाता सुमित्राराजे भोसले द्वारा शिवशाहीर की उपाधि भी दी गई। उनका निधन 15 नवंबर 2021 को हुआ था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

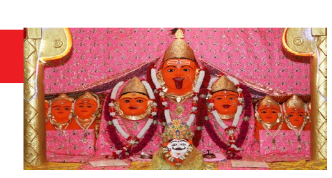

होनी बहुत बलवान है

(भाग 2)

वेदव्यास जी की बात सुनकर जन्मेजय ने एहतियात वश शिकार पर जाना ही छोड़ दिया।

परंतु जब होनी का समय आया तो उसे शिकार पर जाने की बलवती इच्छा हुई। उस ने सोचा कि काला घोड़ा नहीं लूंगा.. पर उस दिन उसे अस्तबल में काला घोड़ा ही मिला। तब उस ने सोचा कि मैं दक्षिण दिशा में नहीं जाऊंगा परंतु घोड़ा अनियंत्रित होकर दक्षिण दिशा की ओर गया और समुद्र तट पर पहुंचा वहां पर उसने एक सुंदर स्त्री को देखा, और उस पर मोहित हुआ। जन्मेजय ने सोचा कि इसे लेकर महल मे तो जाउंगा....लेकिन शादी नहीं करूंगा। परंतु, उसे महलों में लाने के बाद, उसके प्यार में पड़कर उस से विवाह भी कर लिया। फिर रानी के कहने से जन्मेजय द्वारा यज्ञ भी किया गया। उस यज्ञ में युवा ब्राह्मण ही, रक्खे गए।

किसी बात पर युवा ब्राह्मण...रानी पर हंसने लगे। रानी क्रोधित हो गई ,और रानी के कहने पर राजा जन्मेजय ने उन्हें प्राण दंड की सजा दे दी। फलस्वरुप उसे कोढ हो गया। अब जन्मेजय घबरा गया.और तुरंत व्यास जी के पास पहुंचा...और उनसे जीवन बचाने के लिए प्रार्थना करने लगा। वेदव्यास जी ने कहा कि, एक अंतिम अवसर तेरे प्राण बचाने का और देता हूं......, मैं तुझे महाभारत में हुई घटना का श्रवण कराऊंगा जिसे तुझे श्रद्धा एवं विश्वास के साथ सुनना है..., इससे तेरा कोढ् मिटता जाएगा। परंतु यदि किसी भी प्रसंग पर तूने अविश्वास किया.., तो मैं महाभारत का प्रसंग रोक दूंगा..,और फिर मैं भी तेरा जीवन नहीं बचा पाऊंगा...,याद रखना अब तेरे पास यह अंतिम अवसर है। अब तक जन्मेजय को व्यासजी की बातों पर पूरा विश्वास हो चुका था, इसलिए वह पूरी श्रद्धा और विश्वास से कथा श्रवण करने लगा। व्यासजी ने कथा आरम्भ करी और जब भीम के बल के वे प्रसंग सुनाऐ ...., जिसमें भीम ने हाथियों को सूंडों से पकड़कर उन्हें अंतरिक्ष में उछाला...,वे हाथी आज भी अंतरिक्ष में घूम रहे हैं....,तब जन्मेजय अपने आप को रोक नहीं पाया,और बोल उठा कि ये कैसे संभव हो सकता है। मैं नहीं मानता।

व्यास जी ने महाभारत का प्रसंग रोक दिया....और कहा..कि, पुत्र मैंने तुझे कितना समझाया...कि अविश्वास मत करनापरंतु तुम अपने स्वभाव को नियंत्रित नहीं कर पाए। क्योंकि यह होनी द्वारा निश्चित था। फिर व्यास जी ने अपनी मंत्र शक्ति से आवाहन किया..और वे हाथी पृथ्वी की आकर्षण शक्ति में आकर नीचे गिरने लगे.....तब व्यास जी ने कहा, यह मेरी बात का प्रमाण। जितनी मात्रा में जन्मेजय ने श्रद्धा विश्वास से कथा श्रवण की, उतनी मात्रा में वह उस कुष्ठ रोग से मुक्त हुआ परंतु एक बिंदु रह गया और वही उसकी मृत्यु का कारण बना पहले बनती है तकदीरे फिर बनते हैं शरीर। कर्म हमारे हाथ मे है, लेकिन उस का फल हमारे हाथों में नहीं है। गीता के 11 वें अध्याय के 33 वे श्लोक मैं श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं, उठ खड़ा हो और अपने कार्य द्वारा यश प्राप्त कर। यह सब तो मेरे द्वारा पहले ही मारे जा चुके हैं तू तो केवल निमित्त बना है।

होनी को टाला नहीं जा सकता लेकिन नेक कर्म व ईश्वर नाम जाप से होनी के प्रभाव को कम किया जा सकता है अर्थार्थ रोग आएंगे परंतु पीड़ा नहीं होगी।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

सतयुग से हो रही है भगवान नरसिंह की मूर्ति पूजा

जानें प्रतिमा की रोचक कहानी और मंदिर की प्राचीनता

भारत में कई ऐसी जगहें हैं जो काफी रहस्य से भारी है। देश में ऐसे कई मंदिर है जो काफी प्रचीन हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं? भारत एक ऐसा मंदिर भी है जहां जिसकी सतयुग से पूजा हो रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस देवता की हुई थी सबसे पहले मूर्ति पूजा और मंदिर में स्थापित प्रतिम सतयुग के समय की है। गौरतलब है कि प्रयागराज को पहले प्रज्ञा के नाम से जाना जाता था। यहां पर पृथ्वी का पहला यज्ञ हुआ था, बता दें कि, यहां पर प्राचीन काल से सबसे बड़े धार्मिक मेले का आयोजन भी होता था। पुराने समय से लेकर वर्तमान तक प्रयागराज तीर्थ का राजा बना हुआ है। यहां पर कई प्राचीन मंदिर हैं, उन्हीं में से एक प्राचीन मंदिर भगवान नरसिंह का है, जिसकी मुख्य विशेषताएं आपको बताएंगे।

सबसे पहले नरसिंह भगवान की पूजा हुई थी

प्रयागराज के दारागंज में भगवान नरसिंह से जुड़ा काफी प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर स्थित है। यहां पर आज भी उनकी प्राचीन मूर्ति विराजमान है। साथ ही उनके माता लक्ष्मी भी मौजूद हैं। इस मंदिर से जुड़ी रोचक कहानी मंदिर के पुजारी बताते हैं कि जब विष्णु भक्त प्रहलाद को दंडित करने का हिरण्य कश्यप सोच रहा था, तभी भक्त प्रहलाद ने हिरण्य कश्यप को बताया कि भगवान विष्णु अणु, कण, खर, सर्वत्र व्याप्त हैं। यह सुनकर हिरण्य कश्यप क्रोधित हो जाता है और वह प्रहलाद पर हमला करने जाता है। तभी वहां उपस्थित एक खंभे को चीर कर शेर का शेर का धड़ और मनुष्य का शरीर लेकर भगवान विष्णु अवतरित होते हैं और हिरण्य कश्यप का वध करते हैं, उस समय से पहली बार भगवान नरसिंह की मूर्ति पूजा हुई और वहीं से मूर्ति की पूजा की शुरुआत हुई।

मंदिर की प्राचीनता

वर्तमान समय में यह मंदिर डेढ़ सौ वर्ष पुराना है, लेकिन इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा सतयुग की ही बताई जाती है। बता दें कि इससे पहले यह मूर्ति जहां आज हरि का मस्जिद है उसी में थीस लेकिन मुगल काल में हुए आक्रमण के दौरान यह मूर्ति दब गई थी। हमारे गुरू महाराज के सपने में भगवान ने इस मूर्ति के बारे में बताया। तब महाराज जी ने इस मूर्ति को लाकर दारागंज में स्थापित की है।

उपेक्षित है यह मंदिर

बता दें कि इस समय दारागंज के घनी आबादी वाले मोहल्ले में स्थित है, जहां तक आज भी सड़क का मुख्य मार्ग से कोई कनेक्शन नहीं है। वहां के पुजारी सरकार से मांग कर रहे है कि हमारे इस प्राचीन मंदिर का विकास करवाया जाए और इसकी कनेक्टिविटी मुख्य सड़क से की जाए। इस प्राचीन नरसिंह देवता के मंदिर पर आज भी सरकार की नजर नहीं गई।

तुलसी के पौधे में इन चीजों को चढ़ाने में प्राप्त होती है मां लक्ष्मी की कृपा

जीवन में आएंगी खुशियां

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। जिस भी घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां पर मां लक्ष्मी की हमेशा कृपा बनी रहती है। ऐसे में अगर आप तुलसी के पौधे में कुछ चीजें अर्पित करते हैं, तो आपको अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में अगर आपके घर में भी तुलसी का पौधा है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि तुलसी में किन चीजों को अर्पित करने से आप मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद पा सकते हैं।

जीवन में बनी रहेगी सुख-शांति

बता दें कि तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक हर महीने की पंचमी तिथि को तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करने से जातक के जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

दांपत्य जीवन में आएंगी खुशियां

तुलसी के पौधे पर सुहाग का सामान जैसे- चूड़ियां, लाल चुनरी, बिंदी आदि श्रृंगार का सामान अर्पित करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं तुलसी के पौधे में श्रृंगार का सामान अर्पित करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

रोजाना करें यह काम

तुलसी मां की कृपा पाने के लिए रोजाना तुलसी के पौधे में जल अर्पित करना चाहिए। इसके साथ ही रोजाना शाम को घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इस उपाय को करने में जातक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-धान्य की कमी नहीं होती है। ध्यान रखें कि तुलसी के पौधे में एकादशी और रविवार के दिन जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

इस दिन डालें कच्चा दूध

मान्यता के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे में कच्चा दूध अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस उपाय को करने से घर से दरिद्रता का नाश होता है।

31 जुलाई को इन राशियों की खुलेगी किस्मत

शुक्र का गोचर बना देगा धनवान

प्रेम, धन, सुख-समृद्धि और एश्वर्य के कारक ग्रह शुक्र जल्द ही राशि परिवर्तन करने जा रहा है। सावन के महीने में शुक्र का गोचर होगा। शुक्र का गोचर 31 जुलाई सिंह राशि में होने जा रहा है। सावन के माह में शुक्र का गोचर बेहद खास माना जा रहा है। सूर्य की राशि में शुक्र के राशि परिवर्तन से कुछ राशियों पर पैसों की बारिश होने वाले हैं। आइए जानते हैं कौन-सी राशियां होने वाली है मालामाल।

मेष राशि

मेष राशि के लिए शुक्र का गोचर शुभ रहने वाला है। आपको अपने हार्ड वर्क का रिजल्ट मिलेगा। सुख-शांति से घर माहौल खुशनुमा बना रहेगा। अपने प्रेमी के साथ डेट पर जा सकती हैं। आय बढ़ाने के लिए आपको नए सोर्स मिल सकते हैं। नई नौकरी मिल सकती है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को होगा फायदा। कार्यक्षेत्र में आपको इन्वेस्ट करने के लिए कोई अच्छी डील मिल सकती है, जो प्रॉफिटेबल भी साबित होगी। यात्रा पर भी आप जा सकते हैं। फाइनेंशियल तौर पर प्रॉफिट में रहेंगे। जीवन में प्रेम बना रहेगा। धार्मिक कार्य में मन लगेगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के लिए शुक्र का ये गोचर काफी शुभ होगा। सेहत आपकी बढ़िया रहेगी। लाइफ में रोमांस और आकर्षण बना रहेगा। किसी छोटी-मोटी यात्रा पर जा सकते हैं। करियर में आपके नए टास्क मिल सकते हैं। प्रोफेशनली और फाइनेंशियली खूब तरक्की होगी।

ऐसा ज्योतिर्लिंग, जिसकी पूजा से दूर हो जाते हैं कुंडली के सभी दोष?

हिंदू धर्म में कल्याण के देवता माने जाने वाले भगवान शंकर के तमाम शिव मंदिरों में 12 ज्योतिर्लिंग का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व है। इन सभी 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला स्थान गुजरात के द्वारका में स्थित सोमनाथ मंदिर का आता है। देवों के देव महादेव से जुड़े इस ज्योतिर्लिंग के बारे में मान्यता है कि इसकी स्थापना और सबसे पहले पूजा चंद्र देव ने अपने श्राप से मुक्ति पाने के लिए की थी। शिव की पूजा के लिए सबसे उत्तम और शीघ्र फलदायी माने जाने वाली सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व होता है। गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित लगभग 155 फीट ऊंचाई वाले सोमनाथ मंदिर के बारे में मान्यता है कि यह हर काल में यहीं पर मौजूद रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर को पहली बार चंद्र देवता ने बनवाया था। जिसे बाद में मुस्लिम आक्रांताओं ने 6 बार तोड़ा था। अंतिम बार इस भव्य मंदिर को सरदार बल्लभ भाई पटेल ने बनवाया था। इस मंदिर के शिखर पर 10 टन का भारी कलश सुशोभित है।

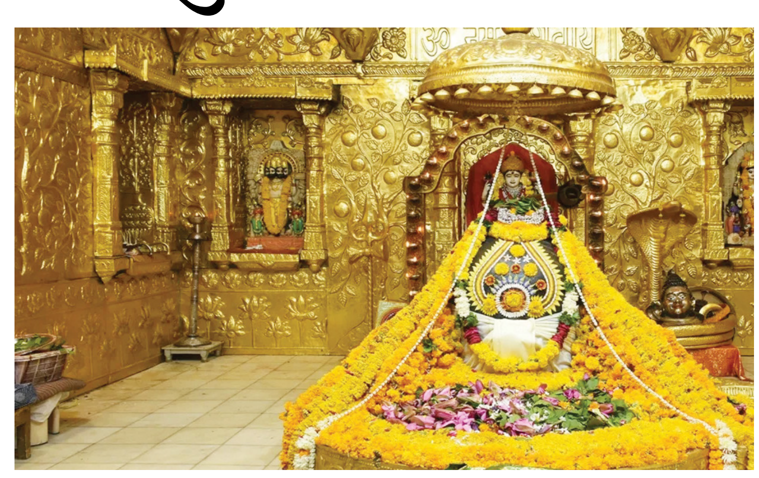

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का महत्व

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव के इस पावन धाम के बारे में मान्यता है कि कभी भी इस मंदिर का निर्माण चंद्र देवता ने अपने जीवन से जुड़े श्राप से मुक्ति पाने के लिए किया था। एक बार चंद्र देवता से उनके श्वसुर राजा दक्ष किसी बात को लेकर नाराज हो गए और उन्हें श्राप दे दिया कि उनका प्रकाश दिन-प्रतिदिन क्षीण होता चला जाएगा। इसके बाद उन्होंने इस श्राप से मुक्ति पाने के लिए सरस्वती नदी के मुहाने पर स्थित अरब सागर में स्नान करके महादेव के इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की और उनका विधि-विधान से पूजन किया। जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें श्राप से मुक्ति का वरदान प्रदान किया। चंद्रमा का नाम सोम भी है और चंद्रमा ने यहां पर अपने नाथ की पूजा की थी, इसलिए इस स्थान को सोमनाथ कहा जाता है।

पूजा करने से मिलते हैं ये फायदे

जिन लोगों को हमेशा कोई न कोई मानसिक चिंता या तनाव घेरे रहता है या फिर कहें डिप्रेशन की समस्या हो, उन्हें इस महाशिवरात्रि पर देवों के देव महादेव के पहले ज्योतिर्लिंग यानि सोमनाथ शिवलिंग की पूजा अवश्य करनी चाहिए। सोमनाथ शिवलिंग की पूजा का न सिर्फ धार्मिक बल्कि ज्योतिषीय महत्व भी है। ज्योतिष के अनुसार जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा नीच राशि में अथवा अस्त होकर कष्टों का कारण बन रहा हो, उन्हें चंद्र दोष दूर करने के लिए सावन शिवरात्रि के प्रदोष काल में सफेद वस्त्र पहन कर विशेष रूप से सोमनाथ शिवलिंग की साधना करनी चाहिए। सोमनाथ शिवलिंग की साधना को हमेशा सफेद वस्त्र धारण करके करना चाहिए, साथ ही साथ सफेद मिठाई का भोग लगाना चाहिए। सोमनाथ शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ इस पावन ज्योतिर्लिंग की विधि-विधान से पूजा करता है, उसकी आंखों से जुड़े कष्ट और रोग दूर होते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — आज का दिन मिश्रित फलकारक है। बड़े अधिकारी से अनबन नुकसानदायक रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण बनाए रखें। नए संबंध से भाग्य चमकेगा। सामाजिक सम्मान मिलेगा। शत्रु बलहीन रहेंगे और आय में वृद्धि होगी।

वृष — आप यदि व्यापारी हैं तो आज अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। सरकारी नौकर हैं तो वरिष्ठ अधिकारी का कोप भाजन बनना पड़ सकता है। सायंकाल के समय सामाजिक संबंध लाभदायक रहेगा।

मिथुन — आज दिन के पूर्वार्ध में छुटपुट लाभ की संभावना है। नौकरी व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, एक बार अनुभव हो जाए तो बस दुनिया अपनी मुट्ठी में ही समझिए।

कर्क — आज आप अपने आप में ही मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न देकर अपना काम करते रहें। आगे चलकर सफलता आपके कदम चूमेगी। आप अपने सामाजिक क्षेत्र में मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब होंगे।

सिंह — आज शत्रुजनित षड्यंत्र, लोक अपवाद से बचने का प्रयास करें। अनावश्यक दुश्चिन्ताओं से मन क्षुब्ध रहेगा। नई उपलब्धियां कड़ी मेहनत से मिलेगी। सामाजिक उत्तरदायित्व भी बढ़ेगा।

कन्या — आज कामकाज में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। राजकीय मदद भी मिलेगी।

तुला — आपकी पद, अधिकार की महत्वाकांक्षा अन्तर्विरोध को जन्म देगी। समस्याओं के समायोचित समाधान न मिलने से मानसिक अशान्ति रहेगी। दूर-समीप का यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित हो सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन कुछ विशेष कर दिखाने की उधेड़बुन में व्यतीत होगा। अधिकारीवर्ग से अच्छी साठ-गांठ बनेगी। किसी सरकारी संस्था से दूरगामी लाभ की पृष्ठभूमि भी आज ही बनेगी। निराशाजनक विचारों से बचें।

धनु — किसी विशेष घटनाक्रम के अंतर्गत रूका धन आश्चर्यजनक रूप से प्राप्त हो जाएगा। इससे आज आपका विश्वास धर्म एवं आध्यात्म में बढ़ेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का लाभ मिलेगा।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में अपने से वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। दाम्पत्य जीवन में सरसता बनी रहेगी। पराक्रम वृद्धि से शत्रुओं का मनोबल टूटेगा। दिन के उत्तरार्ध में अचानक अतिथियों के आगमन से व्यय भार बढ़ेगा।

कुंभ — आज गोचर के शुभ प्रभाव से सफलता मिलेगी। उत्तरार्ध की वृद्धि अस्थिरता को जन्म देगी। भूमि खरीदने, स्थान परिवर्तन का सुखद संयोग भी बन सकता है। सांसारिक सुख भोग व घर गृहस्थी के उपयोग की प्रिय वस्तु खरीदी जा सकती है।

मीन — आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति दशम भाग्य भाव में धनु राशि का होकर तथा चंद्रमा अपनी ही राशि कर्क पर विराजमान है। अतः आज का दिन संतान से जुड़ी समस्याओं को हल करने में व्यतीत होगा।

नौकरी प्राप्त करने के कुछ सरल उपाय

नियमित चालीस दिनों तक सुबह नंगे पैर हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें लाल गुलाब का फूल चढ़ाएं। यह अचूक वैदिक उपाय शीध्र ही अच्छी नौकरी दिलवाने में सहायक होता है। प्रतिदिन चन्दन की माला से 11 बार ओम् वक्रतंण्डाय हूं मंत्र का जाप करें। इससे उपाय से भी सरकारी नौकरी मिलने में सहायता प्राप्त होती है। प्रत्येक सोमवार के दिन शिवजी के मंदिर में जाकर शिवलिंग पर एक थैली कच्चा दूध तथा साबुत चावल चढ़ाएं और सच्चे मन प्रार्थना करें। ऐसा करने से नौकरी मिलने में आ रही हर तरह की बाधा का नाश होता है। रोजाना सुबह पक्षियों को दाना देने से रोजगार और नौकरी की संभावना बढ़ जाती है। आप बाजरा या सात प्रकार के अनाजों का मिश्रण भी पक्षियों को दे सकते हैं। ऐसा करने से मनचाही नौकरी प्राप्त होती है। नौकरी के लिए इंटरव्यू देने से पहले सुबह स्नान करते समय बाल्टी या टब में हल्दी मिलाकर स्नान करें और प्रभु के सामने 11 अगरबत्ती जलाकर अपनी सफलता की कामना करें। यदि आप सरकारी नौकरी ही चाहते हैं, तो हिंदी महीने के प्रथम सोमवार के दिन सूर्य के ढ़लते समय सफेद कपड़े में काले चावल और कुछ दक्षिणा को बांध कर काली माता के मंदिर में चढ़ाएँ। 11 महिने तक लगातार ऐसा करने से आपको मनचाही नौकरी व सरकारी नौकरी के अवसर प्राप्त हो जाएगें। सरकारी नौकरी और अच्छे कारोबार की प्राप्ति के लिए घर में उड़ते हुए हनुमान जी की फोटो लगाएं। कोई भी उपाय करने से नौकरी न मिल रही हो तो शुक्ल पक्ष में लगातार 21 दिनों तक कुंए में दूध डालें। कुंआ खाली या सूखा हुआ नहीं होना चाहिए।

प्रियंका जैन
9769994439

नौकरी के प्राप्त करने के लिए घर से निकलते समय एक नींबू पर चार लौंग वारकर चारों दिशाओं में गाड़ दें और 108 बार 'ओम् श्री हनुमते नमः' का जाप करें। और उस नींबू को अपने साथ ले जाएं। आपको नौकरी मिलने की संभावना प्रबल हो जाएगी।

नौकरी पाने के लिए घर से निकलते समय चना और गुड़ खाकर निकलें और रास्ते में किसी गाय को भी अपने हाथों से गुड-चना खिला दें। आपका काम अवश्य बन जाएगा।

प्रत्येक शनिवार को 108 बारी 'ओम् शं शनैश्चराय नमः' का मंत्र जाप करें। इस उपाय से नौकरी मिलने में आ रही बाधा दूर हो जाती है।

नौकरी के लिए इंटरव्यू देने के लिए घर से निकलते समय एक चम्मच दही और चम्मच चीनी मिलाकर और उसे खाकर घर से बाहर निकलें। ध्यान रहे कि घर से बाहर जाते समय सबसे पहले दायां पैर ही बाहर निकालें। सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए गंगाजल को एक पीतल के लोटे में डालें और इसमें चांदी की धातु को डाल दें। फिर इस लोटे को अपने सिर के उपर से सात बार वार दें और इसे ईशान कोण में रख दें। इसके पश्चात 21 बार ओम् गंगाधराय नमः मंत्र का जाप करें। यदि नौकरी की आशा धूमिल पड़ रही हो या नौकरी मिलते-मिलते रह जाती हो। तो किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष में गुड़ की 7 डलियां और 7 हल्दी की साबुत गांठे को एक रूपये के सिक्के के साथ किसी पीले वस्त्र यानि कपड़े में बांधकर सड़क या रेल लाइन के पार फेक दें। और मन में नौकरी की सच्ची प्रार्थना करें। इस उपाय से नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

खबर संक्षेप

मानूसन सत्र आज से, स्पीकर ने की सभी दलों से सहयोग की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू होकर 02 अगस्त तक चलेगा। इससे पहले रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। उन्होंने सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग किए जाने की अपील की। विधान सभा अध्यक्ष ने नेताओं से कहा कि वे सदन में अपनी बात शालीनता एवं संसदीय मर्यादा के साथ रखें और प्रेमपूर्ण वातावरण में सदन में बहस करें। उन्होंने कहा कि संसदीय व्यवस्था में संवाद और सकारात्मक चर्चा-परिचर्चा के जरिए लोकतंत्र मजबूत होता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सार्थक चर्चा होनी चाहिए। यह देश की सबसे बड़ी विधान सभा है। स्वाभाविक रूप से उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही पूरे देश के विधानमंडलों के लिए एक आदर्श भी उपस्थित करती है। इससे पहले महाना ने नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को बधाई देते हुए कहा कि उनके लम्बे राजनीतिक अनुभव का लाभ विधानसभा को मिलेगा। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि अध्यक्ष ने अपनी विशिष्ठ कार्यशैली से देश में उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। नई परम्पराओं के कारण विधानसभा अब देश के लिए एक रोल माडल बन चुका है।

ट्रेन की चपेट में आकर मां-बेटी की मौत

देवरिया। गौरी बाजार थाना क्षेत्र में रविवार को रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मां-बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, गौरी बाजार थाना क्षेत्र में सुपरी बुजुर्ग के रहने वाली रुखसाना (60) अपनी बेटी बेटी अम्राहम निशा (21) संग कहीं जाने के लिए निकली थी। रेलवे ट्रैक पार करते समय अचानक आयी ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर घटना की जानकारी मृतकों के परिवार को दी।

प्रधानमंत्री की सराहना से 'बाघ मित्रों' में नयी उर्जा का संचार होगा: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के पीलीभीत जिले में संचालित 'बाघ मित्र' कार्यक्रम की सराहना निश्चित रूप से सभी 'बाघ मित्रों' में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गयी टिप्पणी में कहा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम में जनपद पीलीभीत में संचालित 'बाघ मित्र कार्यक्रम' का विशेष उल्लेख किया है। इस कार्यक्रम में उनके द्वारा 'बाघ मित्र कार्यक्रम' पहल की सराहना निश्चित रूप से सभी बाघ मित्रों में नवीन उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगी। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।'

इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष को काफी कम करना है

'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में संचालित 'बाघ मित्र कार्यक्रम' भी चर्चा का विषय बना हुआ है तथा इसके तहत स्थानीय लोगों को 'बाघ मित्र' के तौर पर काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा कि ये 'बाघ मित्र' इस बात का पूरा ख्याल रखते हैं कि बाघों और इंसानों के बीच टकराव की स्थिति ना बने। देश के कई हिस्सों में इस तरह के प्रयास जारी हैं। 'बाघ मित्र कार्यक्रम' पर प्रकाश डालते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 2019 में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष को काफी कम करना है। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अक्टूबर 2023 में पीलीभीत में 'बाघ मित्र ऐप' जारी किया था। इसमें कहा गया है कि 'बाघ मित्र' नेटवर्क में कई युवा, बुजुर्ग और चार महिलाओं सहित 120 से अधिक व्यक्ति शामिल हैं तथा वे बाघों या अन्य वन्यजीवों के देखे जाने की सूचना देने के लिए एक 'व्हाट्सऐप ग्रुप' का इस्तेमाल करते हैं, जिससे वन विभाग तुरंत प्रतिक्रिया दे सकता है और जानवरों के स्थानों को ट्रैक करके जन सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। पीलीभीत बाघ अभयारण्य के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) मनीष सिंह ने कहा, 'पीलीभीत में मानव-वन्यजीव संघर्ष की अक्सर घटनाएं होती रहती थीं। इस मुद्दे को हल करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 2019 में 'बाघ मित्र' कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य इन संघर्षों को प्रभावी ढंग से कम करना था।' उन्होंने कहा कि कार्यक्रम काफी सफल रहा है और अक्टूबर 2023 में मुख्यमंत्री ने पीलीभीत की अपनी यात्रा के दौरान 'बाघ मित्र' ऐप जारी किया। सिंह ने बताया कि दुनिया के 70 फीसदी बाघ भारत में पाए जाते हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश का अहम योगदान है। बयान में कहा गया है कि 2022 में पीलीभीत में की गई बाघों की गणना से पता चला है कि आठ वर्षों में बाघों की आबादी तीन गुना हो गई है और अब रिजर्व में 72 बाघ रह रहे हैं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात पाबंदी लगायी गई

गाजियाबाद। पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात पाबंदी लगाने के साथ ही सुरक्षा बढ़ा दी है। यह कदम एक दिन पहले एक कार द्वारा सड़क पर कुछ कांवड़ियों को कथित तौर पर टक्कर मारने की घटना के बाद उठाया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि मोदीनगर के कादराबाद गांव से गाजियाबाद जिले के हर प्रवेश बिंदु-मेरठ रोड तिराहा, मोहन नगर, लोनी रोड, लिंक रोड, उत्तर प्रदेश-दिल्ली सीमा से दिलशाद गार्डन तक सड़क पर वाहनों के प्रवेश को रोकने के इंतजाम किए गए हैं। मिश्रा ने कहा, 'इस यातायात योजना को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और यातायात पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरतेगी। मिश्रित आबादी के निकास बिंदु पर, उस क्षेत्र के नागरिक समाज के स्वयंसेवक पुलिस की मदद करेंगे और क्षेत्र में किसी भी अप्रिय गतिविधि की सूचना देंगे।' शनिवार को, एक कार से कथित तौर पर टकराने से गुस्साये कांवड़ियों ने चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और उसकी पिटायी की। उन्होंने कार को भी कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया था। मिश्रा ने बताया कि घटना के समय कार मालिक नौबहार सिंह (40) भी वाहन में मौजूद था, जो मुरादनगर का रहने वाला है। मिश्रा ने बताया कि चालक कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था और गाड़ी गलत दिशा में चला रहा था। बाद में कांवड़ियों ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को जाम कर दिया और हंगामा किया, जिससे यातायात जाम हो गया।

मिश्रा ने बताया कि घटना के बाद संवेदनशील स्थिति को देखते हुए रावली रोड से सटे मुरादनगर कस्बे के गंगा नहर पुल पर पीएसी की दो कंपनियां तैनात की गई हैं और जिले के अन्य इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पोखरे के पास मिले तीन कंकाल, पुलिस जांच में जुटी

मऊ। मऊ शहर के कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार को एक पोखरे के पास तीन कंकाल मिले। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के अनुसार मऊ के ताजोपुर गांव में एक पोखरे के पास ग्रामीणों ने कुछ अस्थियों को देखकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस के अनुसार मौके पर पहुंची पुलिस के समक्ष ग्रामीणों ने जमीन में गड़े तीन नर कंकाल होने का दावा किया। इस बीच मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। मऊ शहर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि ताजोपुर गांव के एक तालाब के पास ग्रामीणों द्वारा जमीन में गड़े कथित नर कंकाल की सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है और कंकाल को निकाला जा रहा है। सीओ ने कहा कि जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे टिकट की कालाबाजारी करने वाला युवक गिरफ्तार

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र में सहज जन सेवा केंद्र से रेलवे का टिकट बनाकर बेचने के काले कारनामे का खुलासा हुआ है। आरपीएफ प्रयागराज ने करारी के अड़हरा गांव में छापेमारी कर एक युवक को हिरासत में लिया है। युवक सीएससी चला कर लोगों के फर्जी नाम से टिकट तत्काल एवं जनरल बनाकर बेचने का काम अरसे से कर रहा था। आरपीएफ टीम ने युवक के कब्जे में 11 हजार 656 रुपये कीमत के रेलवे टिकट बरामद किया है। करारी थाना क्षेत्र के अड़हरा गांव में कौसर राजा दरियापुर चौराहे के समीप सहज जन सेवा केंद्र संचालित करते हैं। सीएससी सेंटर में लोगों को आय, जाति, निवास एवं सामान्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ देते हुए कौसर ने रेलवे के टिकट को बनाने का काम शुरू किया। रेलवे के टिकट के ग्राहक उसके पास ज्यादा आने लगे। ऐसे में ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कौसर ने ग्राहकों से मनमाने दाम पर कंफर्म टिकट देने का भरोसा देकर फर्जी आईडी पर टिकट की बुकिंग रेलवे की साइट से शुरू कर दी। कौसर रजा ने पुलिस को दिये बयान में बताया, वह तत्काल टिकट के कंफर्म होने का मुंह मांगा दाम लेता है। जनरल टिकट के भी उसे निर्धारित कीमत से अधिक दाम मिलते। रविवार की भोर कौसर अपने केंद्र में बैठ कर रेलवे के टिकट को बनाने के लिए फर्जी नाम से बनाई आईडी ओपन कर टिकट बना रहा था। इसी दौरान प्रयागराज आरपीएफ की टीम ने आकर छापेमार कार्यवाही कर दी। कार्यवाही के दौरान आरपीएफ टीम को मौके से तैयार कुछ टिकट प्रिन्टर एवं लैपटॉप आदि बरामद हुए हैं। भरवारी आरपीएफ प्रभारी सुरेन्द्र पासवान ने बताया, सीएससी पर छापे मारी के दौरान टीम को इलेक्ट्रानिक समान, प्रिन्टर व 11 हजार 656 रुपये कीमत के पांच रेलवे टिकट मिले हैं। युवक को पूछ-ताछ के लिए आरपीएफ चौकी भरवारी लाया गया।

गड्ढे में गिरने से डेढ़ वर्ष के बच्चे की मौत

एजेंसी । बलिया

बलिया जिले के सिकंदरपुर थाना इलाके के एक गांव में रविवार दोपहर डेढ़ वर्ष के बच्चे की खेलते-खेलते गड्ढे में गिर जाने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के घुरी बाबा के टोला गांव में रविवार दोपहर अव्यांश यादव खेलते समय अचानक घर के पास बने एक गड्ढे में गिर गया। पुलिस ने बताया कि बच्चे की मां अमृता को जब घर के आंगन में अव्यांश नहीं दिखा तो वह उसकी खोजबीन करने लगी और इस दौरान अमृता गड्ढे के पास गई तो बच्चा उसमें पड़ा मिला। पुलिस के मुताबिक, परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर ले गए, जहां से उसे जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। जिला चिकित्सालय में चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

व्यापार जगत

भारत को 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरत: नीति दस्तावेज

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत को 2047 तक 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय के साथ 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है। वर्ष 2047 में विकसित भारत के लिए, दृष्टिकोण पत्र में यह बात कही गई है। नीति आयोग ने '2047 में विकसित भारत के लिए सोचः एक दृष्टिकोण पत्र' शीर्षक वाले एक पत्र में कहा कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचने और इससे बाहर निकलने की दिशा में सावधानी के साथ काम करने की जरूरत है। इसके मुताबिक,'एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हमें 2047 तक 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास करना होगा, जिसमें प्रति व्यक्ति आय 18,000 अमेरिकी डॉलर सालाना हो।' दृष्टिकोण पत्र के मुताबिक, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को आज के 3,360 अरब अमेरिकी डॉलर से नौ गुना और प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से आठ गुना बढ़ाना होगा।'इसमें यह भी कहा गया है कि मध्यम आय से उच्च आय स्तर तक प्रगति करने के लिए, 20-30 साल तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में लगातार वृद्धि की जरूरत होगी और बहुत कम देश ऐसा करने में सफल रहे हैं।विकसित भारत की अवधारणा को परिभाषित करते हुए, इस पत्र में कहा गया है कि यह एक ऐसा भारत होगा, जिसमें एक विकसित देश की सभी विशेषताएं होंगी और जिसकी प्रति व्यक्ति आय आज दुनिया के उच्च आय वाले देशों के बराबर होगी।यह एक ऐसा भारत होगा, जिसकी सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और संस्थागत विशेषताएं इसे एक समृद्ध विरासत वाले विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगी। विश्व बैंक के मुताबिक, जिन देशों की वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 14,005 अमेरिकी डॉलर (2023 में) से अधिक है, उन्हें उच्च आय वाले देशों के रूप में परिभाषित किया गया है।

लंबी ड्यूटी की वजह से थकान महसूस करते हैं पायलट : अध्ययन

नई दिल्ली। विमान पायलट की थकान के प्रमुख कारणों में लगातार रात्रि उड़ानें, 10 घंटे से अधिक की उड़ान ड्यूटी अवधि और रोस्टर में बदलाव होता है। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन द्वारा वरिष्ठ पायलट पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित इस अध्ययन में उनकी थकान के कारणों का विश्लेषण किया गया। इसमें उनके कामकाज की वजह से थकान के कारकों के आपसी प्रभाव का पता लगाया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, 84 प्रतिशत पायलट शिफ्ट में बदलाव की गति और उसकी दिशा से चिंतित हैं। वहीं 83 प्रतिशत लगातार रात की उड़ानों के कारण थकान को लेकर चिंतित हैं।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए स्टार्टअप पर से एंजल कर हटाया गया: गोयल

एजेंसी । मुंबई

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि सभी वर्ग के निवेशकों के लिए 2012 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा लागू किए गए एंजल कर को हटाने से स्टार्टअप कंपनियों को निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने से न केवल छोटे कारीगरों को मदद मिलेगी, बल्कि देश के रत्न एवं आभूषण निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बजट के बाद यहां उद्योग जगत के साथ बातचीत में कहा, 'बजट 2024-25 में एंजल कर हटा दिया गया है और इसके जरिये हम देश में निवेशकों को आकर्षित कर सकेंगे।'गोयल ने बताया कि बजट में देश में 12 औद्योगिक 'टाउनशिप' स्थापित करने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से एक महाराष्ट्र में होगा और इससे रोजगार सृजन तथा उद्योग एवं व्यापार के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद मिलेगी। बजट में हीरा कारोबार को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाने की घोषणा की गई है। भारत हीरा कटाई और पॉलिशिंग क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी है, जिसमें बड़ी संख्या में कुशल श्रमिक काम करते हैं।

रिफंड पाने के लिए रिटर्न में बढ़ा-चढ़ाकर, फर्जी दावे करने से बचें करदाता : आयकर विभाग

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने रिटर्न दाखिल करने वालों से कहा है कि वे खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और अपनी कमाई को कम कर नहीं दिखाएं। विभाग ने कहा कि बढ़ा-चढ़ाकर और फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध है और इससे रिफंड जारी करने में देरी होती है। सभी करदाताओं के लिए आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है, जिसके बाद खातों का ऑडिट नहीं किया जाएगा। आयकर विभाग और उसके प्रशासनिक निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अनुसार, 26 जुलाई तक पांच करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए जा चुके हैं।

आयकर विभाग ने हाल में बताया था कि करदाताओं से समय पर रिफंड पाने के लिए अपने रिटर्न सही ढंग से दाखिल करने चाहिए। विभाग ने कहा,'रिफंड के दावों की जांच सत्यापन के अधीन होती है, जिससे देरी हो सकती है। आईटीआर सही तरीके से दाखिल करने से रिफंड की प्रक्रिया में तेजी आती है। किए गए दावों में कोई भी विसंगति होने पर संशोधित रिटर्न के लिए अनुरोध किया जाएगा।' आयकर विभाग ने आईटीआर दाखिल करने वाले करदाताओं से गलत स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) राशि का दावा न करने, अपनी आय को कम न बताने या कटौती को बढ़ा-चढ़ाकर न बताने का आग्रह किया है।

एमपीएस मानदंडों के अनुपालन को मिल सकता है दो साल का और समय

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों का पालन करने के लिए दो साल का अतिरिक्त समय मिलने की उम्मीद है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। फिलहाल 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में पांच ने एमपीएस मानदंडों का अनुपालन नहीं किया है और इनमें सरकार की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत से अधिक है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, सभी सूचीबद्ध कंपनियों को 25 प्रतिशत एमपीएस बनाए रखना चाहिए। हालांकि, नियामक ने 25 प्रतिशत एमपीएस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पीएसबी को अगस्त,

2024 तक विशेष छूट दी है। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने एक साथ साक्षात्कार में कहा, 'हमने विस्तार के लिए, आर्थिक मामलों के विभाग को लिखा है।' उन्होंने कहा कि आमतौर पर दो साल का विस्तार दिया जाता है और उम्मीद है कि यह जल्द ही मिल जाएगा। पांच बैंकों में न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता 25 प्रतिशत से कम है। इस समय दिल्ली स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 98.25 प्रतिशत है। इसके बाद चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में 96.38 प्रतिशत, यूको बैंक में 95.39 प्रतिशत, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 93.08 प्रतिशत और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 86.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष के दौरान बैंक ऑफ महाराष्ट्र में सरकार की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत से नीचे आ सकती है। जोशी ने साथ ही जोड़ा कि बैंक अपनी पूंजी जरूरतों के आधार पर पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अन्य तरीके से शेयर बिक्री पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि बाजार की स्थितियों के आधार पर ये बैंक शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेंगे।

मनु भाकर ने तोक्यो के आंसुओं को पेरिस में जश्न में बदला

एजेंसी । शेटराउ (फ्रांस)

तोक्यो ओलंपिक के बाद कुछ दिन अवसाद में रही मनु ने करीब एक महीने तक पिस्टल नहीं उठाई। लेकिन फिर उस बुरे अनुभव को ही अपनी प्रेरणा बनाया और पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल में कांसे के साथ भारत का खाता भी खोला।

वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिये पदक जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज बन गई। कांटे के फाइनल में जब तीसरे स्थान के लिये उनके नाम का ऐलान हुआ तो उनके चेहरे पर सुकून की एक मुस्कान थी और एक कसक भी कि 0.1 अंक और होते तो पदक का रंग कुछ और होता। लेकिन ओलंपिक पदक तो ओलंपिक पदक है। इसलिये भी अहम है क्योंकि पिछले 12 साल से भारतीय निशानेबाज ओलंपिक से खाली हाथ लौट रहे थे। अपनी गर्दन के पीछे 'स्टिल आई राइज' का टैटू बनवाने वाली मनु की इस कामयाबी की दास्तान उनके गुरू पिस्टल किंग जसपाल राणा के जिक्र के बिना अधूरी रहेगी। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में दर्जनों पदक जीत चुके पिस्टल निशानेबाजी के लीजैंड राणा के साथ मनु का खट्टा मीठा रिश्ता रहा है। वह 2018 एशियाई खेलों से पहले मनु के कोच बने और उनके मार्गदर्शन में मनु ने सीनियर विश्व कप के दस पदक (2018 से 2021) जीते। तोक्यो ओलंपिक से पहले मार्च 2021 में मनमुटाव के कारण दोनों अलग हो गए थे। पिछले साल मनु ने एक बार फिर द्रोणाचार्य सम्मानित कोच राणा के साथ जुड़ने का फैसला किया और नतीजा सामने है। एक खिलाड़ी के तौर पर जसपाल राणा 1996 के अटलांटा ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल और 50 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में नहीं पहुंच सके थे लेकिन एक गुरू के रूप में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करके अपने कैरियर को भी मुकम्मिल कर लिया।

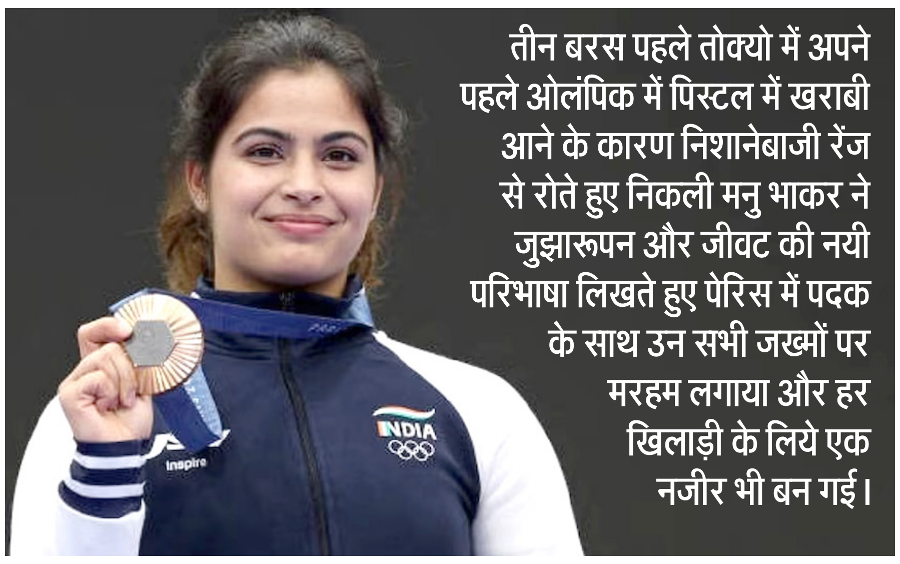

तीन बरस पहले तोक्यो में अपने पहले ओलंपिक में पिस्टल में खराबी आने के कारण निशानेबाजी रेंज से रोते हुए निकली मनु भाकर ने जुझारूपन और जीवट की नयी परिभाषा लिखते हुए पेरिस में पदक के साथ उन सभी जख्मों पर मरहम लगाया और हर खिलाड़ी के लिये एक नजीर भी बन गई।

शरत कमल एकल से बाहर, मनिका और श्रीजा राउंड 32 में

एजेंसी । पेरिस

भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राउंड 64 में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर अपना अभियान शुरू किया। अपना पांचवा ओलंपिक खेल रहे 42 वर्षीय शरत को 53 मिनट तक चले मैच में अपने से 86 पायदान नीचे के प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के डेनी कोजुल से 2-4 (12-10 9-11 6-11 7-11 11-8 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

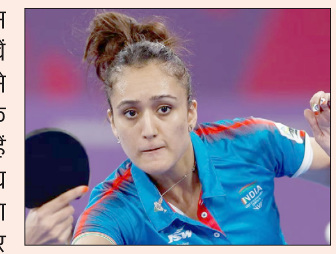

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज शरत ने पहला गेम जीता लेकिन इसके बाद अगले तीन गेम में उन्हें हार झेलनी पड़ी। यह भारतीय खिलाड़ी जब पीछे चल रहा था तब उन्होंने पांचवा गेम जीत कर स्कोर 2-3 किया लेकिन आखिर में वह विश्व में 126वें नंबर के खिलाड़ी को जीत से नहीं रोक सके। महिला एकल मैच में 29 साल की मनिका ने ब्रिटेन की अन्ना हर्से पर दबदबा बनाया। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन और 18वीं वरीय मनिका ने 41 मिनट में हर्से को 11-8 12-10 11-9 9-11 11-5 से मात दी। इस तरह मनिका ने तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें वह एकल के राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं। दिल्ली की पैडलर ने 24 मिनट में 3-0 से बढ़त बना ली थी और 4-0 से जीतने की ओर बढ़ रही थी। लेकिन हर्से ने वापसी करते हुए चौथा गेम जीत लिया। पर मनिका ने अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और पांचवां गेम जीतकर मैच आसानी से जीत लिया। अब मनिका का सामना 31 जुलाई को राउंड 32 मैच में फ्रांस की 12वीं वरीय प्रीथिका पवाडे से होगा। इससे पहले श्रीजा अकुला ने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया।

मैनेजर ने कहा, नडाल पेरिस ओलंपिक में एकल में भाग लेंगे

एजेंसी । पेरिस

रफेल नडाल के मैनेजर बेनिटो पेरेज-बेरबाडिलो ने कहा है कि 22 बार का यह ग्रैंड स्लैम चैंपियन रविवार को पेरिस ओलंपिक में टेनिस एकल स्पर्धा में खेलेगा। नडाल 38 साल के हैं और पिछले दो सत्र में कई चोटों से जूझ रहे हैं। शनिवार रात को स्पेन के लिए कार्लोस अल्काराज के साथ पहले दौर का युगल मुकाबला जीत के दौरान उनकी दाहिनी जांघ पर टेप लगी थी। नडाल ने उस मैच के बाद कहा था कि उन्होंने फैसला नहीं किया है कि वह एकल में भाग लेंगे या नहीं। नडाल ने शनिवार को कहा, ''कल, मुझे नहीं पता कि क्या होने वाला है। मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं।''उन्होंने तब कहा था कि वह अपनी टीम से सलाह लेना चाहते हैं कि क्या करना है। बेनिटो के अनुसार रविवार सुबह नडाल ने अपनी फिटनेस को परखने के लिए अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और फिर हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स का सामना करने का विकल्प चुना।

भारत आठ विकेट से हारा

श्रीलंका बना महिला एशिया कप चैम्पियन

एजेंसी । दाम्बुला

हर्षिता समरविक्रमा और कप्तान चमारी अटापट्टू की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंद में 87 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में रविवार को यहां भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया। गत चैमपियन भारत को छह विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 167 रन बनाकर यादगार जीत दर्ज की। भारतीय टीम की इस हार में खराब गेंदबाजी के साथ बेहद लचर क्षेत्ररक्षण का भी हाथ रहा। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने समरविक्रमा का आसान कैच टपकाया जिन्होंने 51 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन बनाये। चमारी ने 43 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया। कप्तान के आउट होने के बाद 'प्लेयर ऑफ मैच' समरविक्रमा ने कविशा दिलहारी के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंद में 73 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। विजयी छक्का लगाने वाली दिलहारी ने 16 गेंद की नाबाद पारी में 30 रन बनाये। दिलहारी ने इससे पहले गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए 36 रन देकर दो विकेट चटकाये थे। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 47 गेंद की अपनी पारी 10 चौके की मदद से 60 रन की पारी खेल बड़े स्कोर की नींव रखी।

लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत ने दूसरे ओवर विष्मी गुणारत्ने (01) को रन आउट कर पहली सफलता हासिल की। चमारी पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा उन्होंने शुरू से ही आक्रामर रवैया अपनाये रखा। रेणुका और दीप्ति के ओवर में चौके जड़ने के बाद श्रीलंका की कप्तान ने छठे ओवर में तनुजा कंवर के खिलाफ दो छक्के और चौका लगाकर ओवर से 16 रन बटोरे। पावर प्ले के बाद श्रीलंका स्कोर एक विकेट पर 44 रन हो गया। उन्हें दूसरे छोर से समरविक्रमा का अच्छा साथ मिला। जिन्होंने सातवें और आठवें ओवर में दीप्ति शर्मा (30 रन पर एक विकेट) और राधा यादव के खिलाफ चौके लगाये। चमारी ने 10वें ओवर में रेणुका के खिलाफ चौका जड़ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 12 ओवर में दीप्ति के खिलाफ दो चौके जड़ भारतीय खेमे की निराशा को बढ़ाया लेकिन भारत की इस अनुभवी हरफनमौला ने श्रीलंकाई कप्तान को बोल्ड कर वापसी करने का मौका दिया। श्रीलंका के बल्लेबाज इस मैच में सकारात्मक रवैये के साथ उतरे थे और उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण भारतीय क्षेत्ररक्षक दबाव में गलती करते रहे। समरविक्रमा ने पूजा वस्त्राकर के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाया तो वही दिलहारी ने राधा की गेंद पर छक्का लगाकर भारत पर दबाव बनाये रखा।

श्रीहरि, धिनिधि सेमीफाइनल में पहुंचने से चूके

तैराकी में भारतीय चुनौती खत्म

पेरिस ओलंपिक की तैराकी स्पर्धा में भारत की चुनौती रविवार को खत्म हो गई जब श्रीहरि नटराज और धिनिधि देसिंघु अपने अपने वर्ग के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके।

एजेंसी । नांटेरे (फ्रांस)

नटराज 55.01 सेकंड की टाइमिंग के साथ 100 मीटर बैकस्ट्रोक में अपनी हीट में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे थे। ओवरआल तालिका में वह 33वें स्थान पर रहे। शीर्ष 16 तैराक ही सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। नटराज का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.77 सेकंड का है। पहली बार ओलंपिक में उतरी भारतीय दल की सबसे युवा सदस्य 14 वर्ष की देसिंघु 200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल हीट में अव्वल रही। पहली हीट में उन्होंने 2 : 06.96 का समय निकाला लेकिन 30 प्रतियोगियों में वह 23वें स्थान पर रहीं ।

सोनाक्षी सिन्हा ने मजेदार अंदाज में हुमा कुरैशी को दी जन्मदिन की बधाई

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने कल 28 जुलाई को अपना 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास दिन पर उनके फैंस, दोस्त और सेलेब्स उन्हें सोशल मीडिया पर बर्थडे विश कर रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की बेस्ट फ्रेंड सोनाक्षी सिन्हा ने उनके लिए सोशल मीडिया पर एक नोट लिखते हुए कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही इंडस्ट्री के कई दूसरे सेलेब्स ने भी उन्हें विश किया है।

सोनाक्षी ने हुमा के साथ शेयर की तस्वीरें

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर हुमा कुरैशी के साथ तीन फोटोज शेयर की हैं। इसमें दोनों एक्ट्रेस हंसते हुए और मस्ती करते हुए पोज देते नजर आ रही हैं। इन फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि इस क्रेजी Huma-n को जन्मदिन की शुभकामनाएं। एक भी फोटो में सीधे खड़े नहीं हो सकती। लव यू बाय।

रिया चक्रवर्ती ने भी अपने सोशल मीडिया पर हुमा कुरैशी के साथ एक फोटो शेयर की है। इस फोटो के साथ उन्होंने लिखा है कि हैप्पी बर्थडे टू माय फेव। आग है आग।

एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने हुमा के साथ बुक लॉन्च के दौरान की एक फोटो शेयर की है, जिसमें दोनों एक्ट्रेस बुक को हाथ में लिए नजर आ रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा कि हैप्पी बर्थडे हुमा लिखती रहो और शाइन करो। वहीं, कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की एक फोटो शेयर की। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा कि हैप्पी बर्थडे हुमा, बिग हग। अथिया शेट्टी ने सोशल मीडिया पर हुमा कुरैशी की फोटो शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा कि हैप्पी बर्थडे हुमा, प्यार और खुशी।

'बैड न्यूज' के कारोबार में फिर हुआ इजाफा

पिछले काफी समय से विक्की कौशल अपनी फिल्म 'बैड न्यूज' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म पहले ही दिन से दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है। खासकर विक्की अपने शानदार अभिनय के चलते खूब वाहवाही लूट रहे हैं।फिल्म अपनी रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है और अब भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई। आइए जानें ये 9 दिन में कितने करोड़ रुपये कमा चुकी है।

50 करोड़ी बनने वाली है फिल्म

'बैड न्यूज' 19 जुलाई को रिलीज हुई थी। हालांकि, पिछले 2 दिन में फिल्म की कमाई घटती नजर आई थी, लेकिन दूसरे शनिवार को एक बार फिल्म के कलेक्शन में इजाफा हुआ है।सैकनिल्क के मुताबिक, बैड न्यूज' ने रिलीज के 9वें दिन कुल 3 .25 करोड़ रुपए का कारोबार किया है।अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 48 .25 करोड़ रुपए हो गया है यानी फिल्म 50 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के बेहद करीब है।

फिल्म ने 8 करोड़ रुपये से खोला था अपना खाता

सैकनिल्क के आंकड़ों पर नजर डाले तो 'बैड न्यूज' ने बॉक्स ऑफिस पर 8 .3 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने 10 .25 करोड़, तीसरे दिन 11 .15 करोड़ और चौथे दिन 3 .5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।'बैड न्यूज' ने पांचवें दिन 3 .75 करोड़, छठे दिन 3 .15 करोड़ और सातवें दिन 2 .75 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़े थे। फिल्म दूसरे हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है।

'बैड न्यूज' की कहानी भी जान लीजिए

'बैड न्यूज' की कहानी तृप्ति डिमरी के किरदार सलोनी बग्गा पर आधारित है, जो हेट्रोपैटरनल सुपरफेकुंडेशन से पीड़ित है। इस स्थिति के कारण जुड़वा बच्चे एक ही मां से पैदा होते हैं, लेकिन उनके जैविक पिता अलग-अलग होते हैं।अखिल चड्ढा और गुरबीर सिंह का किरदार विक्की और एमी विर्क ने निभाया है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। नेहा धूपिया और अनन्या पांडे भी इसका हिस्सा है।

बेटी के लिए रणबीर कपूर ने खुद को बदल दिया

रणबीर कपूर एक शानदार अभिनेता होने के साथ-साथ बेहतरीन पति और पिता भी हैं। वे अक्सर अपनी बेटी राहा के साथ अपने अनोखे रिश्ते के बारे में बात करते नजर आते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने राहा के जन्म के बाद अपने-आप में हुए बदलावों के बारे में जिक्र करते नजर आए। आइए जानते हैं रणबीर कपूर ने अपनी बिटिया के बारे में क्या कुछ कहा है-

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता हैं। अपनी बिटिया के बारे में बातें करते हुए रणबीर कहते हैं, 'राहा के आ जाने से मेरी जिंदगी में सब कुछ बदल गया है। जब मैंने राहा को पहली बार अपनी गोद में लिया था वह पल मेरी जिंदगी का सबसे अनमोल पल था। मैं बता नहीं सकता हूं कि मैंने क्या महसूस किया'। रणबीर कपूर अपनी बात जारी रखते हुए हैं, 'सच कहूं तो मैं एक इंसान के तौर ओर काफी बदल गया हूं। राहा के जन्म से पहले मुझे मौत से नहीं डर लगता था। मैं सोचता था 70 साल के बाद मैं मर जाऊंगा, लेकिन अब मुझे लगता है यह तो काफी कम समय है। मैं उसके साथ और समय बिताना चाहता हूं'।

रणबीर कपूर अपनी बेटी पर जान छिड़कते हैं। रणबीर कहते हैं, 'मैं राहा के जन्म के बाद सिगरेट पीना छोड़ दिया। मैं अपने-आप काफी बदलाव देखता हूं। मुझे ऐसा लगता है कि राहा के जन्म के बाद मेरा भी दूसरा जन्म हुआ है'। रणबीर कपूर आगे कहते हैं, 'कभी-कभी मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि मैंने पिछले 40 साल को जीया ही नहीं है। मैंने राहा के होने बाद जिंदगी को जीना शुरू किया है। वह मेरी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा है।

'कुबेर' के निर्माताओं ने जारी किया नया पोस्टर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों 'कुबेर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित 'कुबेर' कॉलीवुड निर्देशक धनुष और टॉलीवुड स्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। वहीं अब फिल्म के निर्माताओं ने आज धनुष के जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है।

धनुष की आगामी फिल्म 'कुबेर' के निर्माताओं ने आज 28 जुलाई को उनके 41वें जन्मदिन पर अभिनेता का एक नया पोस्टर जारी किया। फिल्म से उनका पहला लुक मार्च 2024 में जारी किया गया था। धनुष अपनी आने वाली फिल्म 'कुबेर' के नए पोस्टर में थोड़े अव्यवस्थित नजर आए। इसे शेयर करते हुए प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी एक्स हैंडल ने लिखा, 'शानदार धनुष सर को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

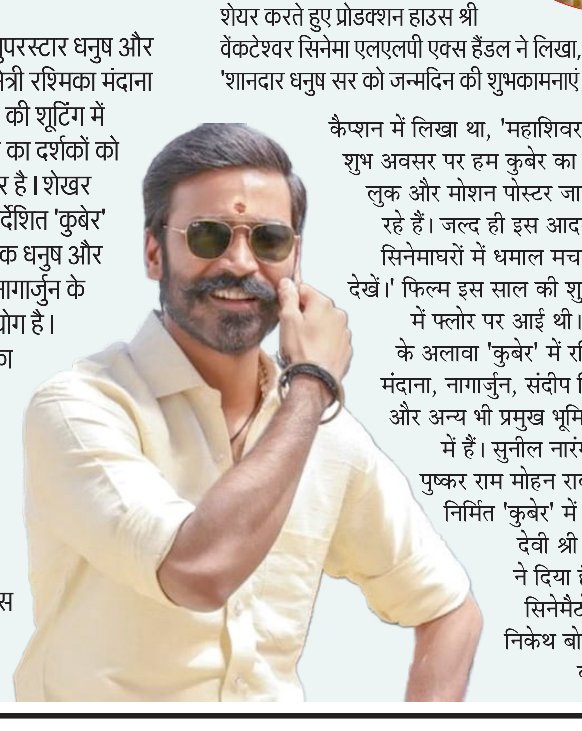

कैप्शन में लिखा था, 'महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर हम कुबेर का पहला लुक और मोशन पोस्टर जारी कर रहे हैं। जल्द ही इस आदमी को सिनेमाघरों में धमाल मचाते हुए देखें।' फिल्म इस साल की शुरुआत में फ्लोर पर आई थी। धनुष के अलावा 'कुबेर' में रश्मिका मंदाना, नागार्जुन, संदीप किशन और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित 'कुबेर' में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है।

न्यूज़ ब्रीफ

बुलडोजर समेत सबको नहर में घुसेड़ देंगे : BJP विधायक

कानपुर। यूपी के कानपुर जिले में मौजूद एक बस्ती में एक हफ्ते के अंदर झोपड़ी और मकान को खाली कराने के नोटिस लगे तो हड़कंप मच गया। बात जब भाजपा विधायक तक पहुंची तो वह भी मौके पर पहुंच गए। नोटिस देखकर भाजपा विधायक भड़क गए और संबंधित अफसर को फोन मिला दिया। विधायक ने फोन पर ही अफसर को लताड़ लगानी शुरू कर दी। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा, कि अगर इस बस्ती पर किसी ने नजर उठाई तो बुलडोजर समेत सबको नहर में घुसेड़ देंगे। विधायक ने अफसर को सारी नोटिस को फड़वाने के लिए भी कहा। विधायक का वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

सुभाष चंद्र बोस के अवशेषों को भारत लाने की मांग, पीएम को पत्र

कोलकाता। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की मौत रहस्यों से भरा रहा। 18 अगस्त, 1945 को ताइवन में विमान दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। जो कि उस समय जापान के कब्जे में था। हालांकि घायल या मृत शरीर की कोई तस्वीर नहीं लिए जाने के कारण INA (आजाद हिन्द फौज) ने यह मानने से मना कर दिया था कि उनकी मौत हो गई है। उनके निधन के बाद उनका मृत्यु प्रमाणपत्र भी नहीं जारी किया गया। जिसकी वजह से उनके सारे अवशेष अभी भी जापान के पास है। अब उनके पोते और पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनके अवशेषों को 18 अगस्त तक वापस भारत लाने की मांग की है।

मुजफ्फर नगर में कांवड़ यात्रा रूट पर एटीएस कमांडो तैनात

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा मार्ग पर एटीएस के कमांडो तैनात किए गए हैं। कांवड़ियों पर आतंकी हमले की संभावना को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। एटीएस के कमांडो ने शनिवार को शिव चौक पर पैदल मार्च करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके अलावा ड्रोन से भी कांवड़ यात्रा मार्ग की निगरानी की जा रही है। मुजफ्फर नगर के एसएसपी अभिषेक सिंह के अनुसार पुलिस मुख्यालय से पत्र मिलने के बाद एटीएस कमांडों की तैनाती की गई है। शिव चौक, मीनाक्षी चौक, अस्पताल तिराहा सहित अन्य संवेदनशील मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। शिव चौक से दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व यूपी के कांवड़िया निकलते हैं। यहां रात को झांकी देखने के लिए भी भीड़ लगती है। इसी को देखते हुए एक कंपनी रैपिड एक्शन फोर्स, छह कंपनी पीएसी, फ्लड यूनिट, एंटी सबोटॉज टीम, बम डिस्पोजल स्क्वायड की भी तैनाती की गई है।

आसंगी घाट पर नहाने आए दो किशोर डूबे

सरायकेला खरसावां। सरायकेला खरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र में रविवार को आसंगी घाट पर नहाने आए दो किशोर डूब गए। उनकी खोजबीन की जा रही है, वहीं इस हादसे की सूचना एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम को भी दे दी गयी है। खरकई नदी में पानी का बहाव काफी तेज है। इस कारण लोगों को खोजने में परेशानी हो रही है। सरायकेला खरसावां जिले के आरआईटीथाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि दोनों इच्छापुर के 15-16 साल के बच्चे हैं। इनका नाम आदित्य महतो व सुमित मोदी है। खरकई नदी में पानी के तेज बहाव के कारण बच्चों का पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

दिल्ली के कोचिंग सेंटर में मौत

छात्रों ने जवाबदेही की मांग की, सुरक्षा को लेकर चिंता जताई

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर में सिविल सेवा की तैयारी करने वाले तीन अभ्यर्थियों की मौत से छात्रों में रोष फैल गया है और उन्होंने सरकार से जवाबदेही की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम मध्य दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में भारी बारिश के बाद कोचिंग सेंटर 'राव आईएएस स्टडी सर्किल' की इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने से उत्तर प्रदेश के आंबेडकर नगर की श्रेया यादव, तेलंगाना की तान्या सोनी और केरल के एर्णाकुलम के नवीन दलविन की मौत हो गई। 'राव आईएएस स्टडी सर्किल' और अन्य संस्थानों के छात्रों ने इस घटना पर अपना रोष जताते हुए शहर भर के कोचिंग सेंटर में सुरक्षा उल्लंघनों को उजागर किया है और दिल्ली सरकार की 'लापरवाही' पर सवाल उठाए हैं।

अधिकारियों ने बरती लापरवाही

छात्रों ने बेसमेंट में हुई मौतों को लेकर कोचिंग सेंटर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बेसमेंट में एक 'लाइब्रेरी' भी है। पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर एक छात्र ने कहा, 'घटना की सबसे बड़ी जिम्मेदारी राव आईएएस स्टडी सर्किल की है, क्योंकि घटना वहीं हुई।' उन्होंने कहा कि मुखर्जी नगर में जब ऐसी ही घटनाएं हुईं, तब भी दिल्ली के अधिकारियों ने लापरवाही बरती और कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। उन्होंने पिछले सप्ताह पटेल नगर में हुई घटना का भी जिक्र किया, जहां भारी बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क पर एक सिविल सेवा अभ्यर्थी को बिजली का करंट लग गया था।

स्थानीय लोगों-साथी छात्रों से अभियान में शामिल होने का आग्रह

एक अन्य छात्रा ने शहर के कोचिंग सेंटर में सुरक्षा संबंधी चिंताओं को उजागर किया। छात्रा ने कहा, 'इन कोचिंग सेंटर में सुरक्षा उपाय लागू करने में किसी की दिलचस्पी ही नहीं है।' छात्रा ने कहा, 'यहां आग लगने पर निकलने का रास्ता या आपातकालीन निकास नहीं है। उज्ज्वल भविष्य वाले लोग जोखिम में हैं। हम नौकरशाही में शामिल होकर देश की सेवा करना चाहते हैं और यदि यह व्यवस्था हमारे लिए काम नहीं करती है, तो हमारा विश्वास इसमें खत्म हो जाएगा।' उन्होंने स्थानीय लोगों और साथी छात्रों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया।

कोचिंग सेंटर के मालिक और समन्वयक गिरफ्तार

मृतकों में से एक श्रेया यादव के चाचा धर्मेंद्र यादव ने कहा, 'मैंने देर रात घटना के बारे में समाचार देखा और श्रेया को फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।' गाजियाबाद के रहने वाले धर्मेंद्र ने कहा कि जब उनकी भतीजी ने उनके फोन का जवाब नहीं दिया, तो वह ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित संस्थान पहुंचे। उन्होंने कहा, 'जब मैं कोचिंग सेंटर पहुंचा तो मुझे आरएमएल (राम मनोहर लोहिया) अस्पताल भेज दिया गया, जहां मुझे पता चला कि श्रेया नाम की लड़की लाश मिली है, लेकिन मुझे उसे देखने की अनुमति नहीं दी गई।' आरएमएल अस्पताल में पीड़ितों के रिश्तेदारों में गुस्सा था, जिन्होंने दावा किया कि उन्हें शव देखने की अनुमति नहीं दी जा रही, जबकि वे सुबह से इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि शाम सात बजे के आसपास राव आईएएस स्टडी सेंटर से जलभराव के बारे में एक कॉल प्राप्त हुई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बेसमेंट में एक लाइब्रेरी थी, जहां कई छात्र मौजूद थे, जब अचानक पानी भरने लगा। इस बीच, पुलिस ने कहा कि जिस कोचिंग सेंटर में मौतें हुईं, उसके मालिक और समन्वयक को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

रंग लाया पीएम का रूस दौरा

पुतिन ने 10 भारतीयों को वापस भेजने का लिया फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा को लेकर एक बड़ी सफलता समाने आई है। जिसमें रूस ने 10 भारतीय नागरिक को जल्द ही भारत वापस भेजे जाने पर मुहर लगा दी है। जिसके बारे में जानकारी केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने दी है सपा सांसद धर्मेंद्र यादव द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि रूसी सशस्त्र बलों ने रूसी सेना में कार्यरत 10 भारतीयों को रिहा कर दिया है। भारत के नागरिकों को नौकरी देने के बहाने से रूस ने अपने सेना में शामिल किया था जिसके बाद पीएम मोदी के द्वारा पुतिन के सामने ये मुद्दा उठाने के बाद 10 भारतीय को रूस ने रिहा कर दिया है।

सपा के सांसद के सवाल पर संग्राम

मिली जानकारी के अनुसार सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने लोकसभा केंद्र सरकार से पूछा था कि विदेश मंत्री कृपया उन भारतीयों का ब्योरा दें जिन्हें मानव तस्करी के जरिए यूक्रेन के युद्ध क्षेत्र में ले जाया गया है। क्या सरकार की ओर से उन्हें भारत वापस लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। अगर उन्हें भारत लाया जा रहा है तो उनका ब्योरा दें और अगर उन्हें वापस न लाने का प्रयास किया जा रहा है तो इसके क्या कारण हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि मानव तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने दिया जवाब: सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के सवाल के जवाब में कीर्तिवर्धन ने कहा कि सरकार को रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती कुछ भारतीय नागरिकों को जल्द रिहा करने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। भारत के हर सवाल को विदेश मंत्रालय और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने रूसी अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है। अब तक रूसी सशस्त्र बलों ने करीब 10 भारतीय नागरिकों को रिहा किया है। इसके साथ ही केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि 8, 9 जुलाई को अपने हालिया रूस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी सशस्त्र बलों से सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द रिहा करने का मुद्दा उठाया था। साथ ही विदेश मंत्रालय ने सभी भारतीय नागरिकों से रूस में रोजगार के अवसर तलाशने और इस युद्ध क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है।

पीएम मोदी ने पुतिन के सामने उठाया था मुद्दा: जानकारी के लिए बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रूसी सेना में भर्ती भारतीयों की सुरक्षित वापसी का मुद्दा उठाया था। इसके बाद भारतीय सैनिकों की वापसी पर सहमति बनी थी। इसके साथ ही इस मामले में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस समय 30 से 40 भारतीय रूसी सेना में सेवारत हैं। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि ये भारतीय अपने वतन लौटना चाहते हैं लेकिन रूसी सेना को छोड़कर अपने वतन लौटना उनके लिए संभव नहीं है। रूस और यूक्रेन के बीच हुए युद्ध में दो भारतीयों की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत ने रूस से वहां की सेना में भर्ती भारतीयों को वापस भेजने की मांग की थी।

'सेफ खेलना छोड़िए, कॉमन सेंस का इस्तेमाल करें जज'

जमानत याचिकाओं को लेकर ऐसा क्यों बोले CJI चंद्रचूड़

एजेंसी । बेंगलुरु

जमानत मामलों पर आज मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने जजों को बड़ा संदेश दिया है। सीजेआई ने कहा कि जब अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, तो ट्रायल जज जमानत न देकर सेफ खेलना पसंद करते हैं।

'मजबूत कॉमन सेंस' का इस्तेमाल करें

मुख्य न्यायाधीश ने प्रत्येक मामले की बारीकियों को देखने के लिए 'मजबूत कॉमन सेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया। सीजेआई ने कहा कि जिन लोगों को ट्रायल कोर्ट में जमानत मिलनी चाहिए और उन्हें वहां नहीं मिल रही है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें हमेशा उच्च न्यायालयों का रुख करना पड़ता है।

मनमाने ढंग से गिरफ्तार लोग होते हैं परेशान

डीवाई चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि जिन लोगों को उच्च न्यायालयों में जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें जरूरी नहीं कि वह मिले, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें सुप्रीम कोर्ट का रुख करना पड़ता है। यह देरी उन लोगों की समस्या को और बढ़ा देती है, जिन्हें मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जा रहा है।

मनमानी गिरफ्तारियों पर क्या बोले CJI

भाषण के बाद सीजेआई से कुछ प्रश्न किए गए, जिसमें एक प्रश्न मनमाने ढंग से की जाने वाली गिरफ्तारियों पर था। ये भी पूछा गया कि क्या हम ऐसे समाज में रहते हैं, जहां व्यक्ति पहले कार्य करता है और बाद में क्षमा मांगता है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय लगातार यह बताने की कोशिश कर रहा है कि इसका एक कारण यह भी है कि देश के भीतर संस्थानों में अंतर्निहित अविश्वास है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम उन लोगों पर भरोसा करना सीखें जो पदानुक्रमित कानूनी प्रणाली में हैं, जैसे कि बहुत नीचे, जो कि ट्रायल कोर्ट हैं। हमें ट्रायल कोर्ट को प्रोत्साहित करना होगा कि वे स्वतंत्रता चाहने वाले लोगों की चिंताओं को समायोजित करने की आवश्यकता के प्रति अधिक ग्रहणशील हों।

कश्मीर में गर्मी ने तोड़े 25 साल के रिकॉर्ड

श्रीनगर। उत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में बारिश चल रही है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का दौर जारी है। वहीं, कश्मीर में गर्मी ने हालत खराब कर दी है। घाटी में गर्मी ने 25 साल के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गर्मी से हालत इस कदर बिगड़ गए हैं कि 1999 के बाद कश्मीर में इतनी गर्मी पड़ रही है। बडगाम में सैकड़ों लोग दरगाह पर नंगे पैर पहुंचे और बारिश के लिए प्रार्थना की। उन्होंने प्रार्थना की कि हे सर्वशक्तिमान हमारे पापों को क्षमा करें। मौसम विज्ञान के अनुसार, श्रीनगर में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह 25 वर्षों में सबसे अधिक तापमान है। श्रीनगर ही नहीं काजीगुंड और कुकेरनाग स्टेशनों पर भी 35.6 और 34.1 डिग्री सेल्सियस का उच्चतम तापमान दर्ज किया गया। तीनों स्टेशनों पर तापमान सामान्य से क्रमशः 6.3 डिग्री, 7.7 डिग्री और 8.7 डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने कहा कि श्रीनगर में रविवार का तापमान वर्ष 1999 के बाद से जुलाई का सबसे अधिक तापमान था।

झारखंड चुनाव में जेडीयू ने बढ़ा दी बीजेपी की टेंशन

एजेंसी । नई दिल्ली

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। जहां झारखंड को लेकर बीजेपी लगातार तैयारी कर रही है वहीं एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल जेडीयू ने बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने झारखंड में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। जेडीयू झारखंड में होने वाले चुनाव में कुल 11 सीटों पर अपनी ताल ठोकने की तैयारी कर रही है।

नीतीश कुमार ने अपने आवास पर की अहम बैठक

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना स्थित अपने आवास पर इस संबंध में अहम बैठक की। इसमें झारखंड जेडीयू के अध्यक्ष खीरो महतो भी शामिल हुए। सीएम ने झारखंड के सभी पार्टी पदाधिकारियों को विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया। जिसके बाद से ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी की चिंता बढ़ने वाली है।

जेडीयू का दावा बीजेपी के लिए संकट

झारखंड विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की रणनीति भाजपा के लिए चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए झारखंड जदयू के अध्यक्ष खीरू महतो ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य की सभी सीटों पर तैयारी कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जदयू झारखंड में भाजपा के साथ गठबंधन में रहकर ही चुनाव लड़ेगी। सीटों को लेकर जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भाजपा नेताओं से बातचीत कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने बता दिया पूरा प्लान

जनसुराज के पार्टी बनने से लेकर कौन बनेगा पहला प्रदेश अध्यक्ष?

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बड़ा ऐलान करते हुए बताया कि 2 अक्टूबर को राजनीतिक पार्टी लांच करेंगे। और पहला प्रदेश अध्यक्ष दलित होगा। प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल एक साल का होगा।

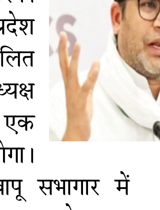

रविवार को बापू सभागार में आयोजित जन सुराज के राज्य स्तरीय कार्यशाला में इसका प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होने कहा कि बारी-बारी से सभी वर्गों यानी दलित, मुस्लिम, अति पिछड़ा, पिछड़ा और सवर्ण को प्रदेश का नेतृत्व सौंपा जाएगा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार का नेता सभी कार्यकर्ताओं की सहमति से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2025 में वह राज्य में सरकार बनाएंगे और नये बिहार के निर्माण का कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को एक करोड़ संस्थापक सदस्यों में से डेढ़ लाख संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में जन सुराज राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित होगा।

कांग्रेस ने केंद्र पर बाढ़ प्रभावित राज्यों को धन आवंटित करने में 'दोहरे मानक' अपनाने का लगाया आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रभावित राज्यों को धन आवंटित करने में 'दोहरे मानक' अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि वह हिमाचल प्रदेश के लोगों से विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट नहीं देने का 'बदला' ले रही है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'कल स्वयंभू 'नॉन-बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित राज्य, विकसित भारत बनाएंगे। वाह, कितनी गहरी बात है। काश, वह करदाताओं का पैसा वहीं खर्च करते, जहां उसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।' उन्होंने कहा, '2023 की विनाशकारी बाढ़ के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने कई बार मांग की कि केंद्र सरकार बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे, लेकिन वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) ने इस मांग को बार-बार खारिज कर दिया।'

बजट में दोहरे मानकों का उदाहरण पेश

रमेश ने कहा, 'अब, वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिए निधि आवंटित करते समय 'नॉन-बायलॉजिकल' प्रधानमंत्री की सरकार में काम के दोहरे मानकों का उदाहरण पेश किया है।' उन्होंने लिखा, 'बाढ़-पीड़ित राज्यों के लिए इस संबंध में उनके भाषण के अंश इस प्रकार हैं। बिहार : 'सरकार 11,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।' असम : 'हम बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए असम को सहायता प्रदान करेंगे।' उत्तराखंड : 'हम राज्य को सहायता प्रदान करेंगे।' सिक्किम : 'हमारी सरकार राज्य को सहायता देगी।' हिमाचल प्रदेश : 'हमारी सरकार बहुपक्षीय विकास सहायता के माध्यम से राज्य को सहायता प्रदान करेगी'।'

'अगर योगी जी को सीएम पद से हटाया तो कर लूंगा आत्महत्या'

भाजपा कार्यकर्ता ने पीएम को भेजा खून से लिखा पत्र

एजेंसी । गोंडा

तरबगंज विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ता संजय प्रताप सिंह उर्फ सोनू ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को खून से पत्र लिखकर भेजा है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को सीएम के पद से हटाने पर भाजपा के प्रदेश कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। सोनू ठाकुर ने इंटरनेट मीडिया वीडियो प्रसारित किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बहुत योगदान है। उत्तर प्रदेश को योगी जी की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि योगी जी

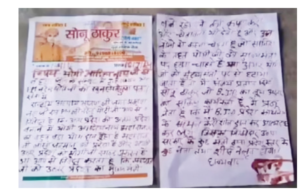

को इसलिए हटाया जा रहा है कि कुछ लोग भ्रष्टाचार नहीं कर पा रहे हैं। आरोप लगाया कि कुछ मंत्री और विधायक भ्रष्टाचार मे लिप्त है, जो योगी जी को पद से हटाना चाहते हैं। यदि योगी आदित्यनाथ को सीएम के पद से हटाया गया तो वह भाजपा कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लेंगे और इसके जिम्मेदार भ्रष्टाचार में शामिल मंत्री व नेता होंगे।

'मन की बात' में बोले PM मोदी

आजादी के पर्व पर खरीदें हैंडलूम के कपड़े, बाघों के संरक्षण पर जोर

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को संबोधित किया है। यह आज PM मोदी का 112वां और तीसरे कार्यकाल की दूसरी मन की बात कार्यक्रम रहा। इस दौरान उन्होंने पेरिस ओलंपिक और आम बजट 2024 पर अपनी बात को भी लोगों के सामने रखा। इसके आलावा उन्होंने चुनाव आयोग को सफल चुनाव कराने पर उन्होंने जरुरी बधाई भी दी है। दरअसत बजट के बाद रविवार कोपहली बार 'मन की बात' कार्यक्रम का 112वां एपिसोड प्रसारित हुआ है। इस कार्यक्रम में PM मोदी ने पेरिस ओलिंपिक, मैथ्स ओलंपियाड, असम मोइदम, टाइगर डे, वनों के संरक्षण और स्वतंत्रता दिवस पर बात की। इसके साथ ही PM मोदी ने रविवार को हैंडलूम पर भी चर्चा की थी।

आजादी के पर्व पर एक कपड़ा खादी का लें

हर साल 7 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे मनाया जाता है। जिस पर खास तौर पर PM मोदी ने कहा कि, आजादी के पर्व पर एक कपड़ा खादी का जरूर लें। वहीं आज प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त की स्पीच में शामिल विषयों पर लोगों से सुझाव मांगे। मन की बात के 112वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, इस समय पूरी दुनिया में पेरिस ओलंपिक छाया हुआ है।

चराईदेउ मैदाम UNESCO विश्व विरासत स्थल में होगा शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, असम के चराईदेउ मैदाम को UNESCO विश्व विरासत स्थल में शामिल किया जा रहा है। इस लिस्ट में यह भारत की 43वीं, लेकिन पूर्वोत्तर की पहली साइट होगी... चराईदेउ का मतलब है पहाड़ियों पर चमकता शहर, यानी पहाड़ी पर एक चमकता शहर। ये अहोम राजवंश की पहली राजधानी थी। अहोम राजवंश के लोग अपने पूर्वजों के शव और उनकी कीमती चीजों को पारंपरिक रूप से मैदाम में रखते थे। मैदाम, टीले नुमा एक ढांचा होता है जो ऊपर मिट्टी से ढका होता है और नीचे एक या उससे ज्यादा कमरे होते हैं। ये मैदाम, अहोम साम्राज्य के दिवंगत राजाओं और गणमान्य लोगों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट करने का ये तरीका बहुत यूनिक है। इस जगह पर सामुदायिक पूजा भी होती थी।

'बाघ', हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है

टाइगर डे पर PM मोदी ने कहा की, भारत में तो 'बाघ', हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम सब बाघों से जुड़े किस्से-कहानियां सुनते हुए ही बड़े हुए हैं। जंगल के आस-पास के गांव में तो हर किसी को पता होता है कि बाघ के साथ तालमेल बिठाकर कैसे रहना है। हमारे देश में ऐसे कई गांव हैं, जहां इंसान और बाघ के बीच कभी टकराव की स्थिति नहीं आती, लेकिन जहां ऐसी स्थिति आती है, वहां भी बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैं।

7 राज्यों में बारिश का कहर जारी

IMD ने फिर किया अलर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में मानसून का कहर जारी है। अलग-अलग राज्यों में मूसलाधार बारिश से आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात और महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है। शनिवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग का 100 मीटर पानी हिस्सा पानी में बह गया। इसके अलावा गढ़वाल में भूस्खलन के कारण मां-बेटी की मौत हो गई। घनसाली में धर्मगंगा में भी एक मां-बेटी की बह कर मौत हो गई। उत्तराखंड में आई तबाही से 4 लोगों की मौत हो गई। हालांकि बचाव टीम ने 2,500 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी लगातार बारिश का हो रही

है। जिसकी वजह पूरी दिल्ली जलमग्न है। हालांकि अब धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होती जा रही है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटों में पश्चिमी हिमालय के कुछ भागों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, कोंकण और गोवा, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है। IMD द्वारा दी गई मुताबिक अगले एक हफ्ते तक देश के अलग-अलग राज्यों में बारिश होंगी।